website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 241 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 09 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी और पुतिन के बीच हुई बातचीत

यूक्रेन संकट और द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी को यूक्रेन से जुड़े ताजा घटनाक्रमों की जानकारी दी। पीएम मोदी ने इस जानकारी के लिए पुतिन का आभार व्यक्त किया और भारत की स्थायी नीति दोहराई कि किसी भी संघर्ष का समाधान शांतिपूर्ण संवाद और कूटनीति के जरिए ही होना चाहिए।

दोनों नेताओं ने भारत-रूस के विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई और आपसी द्विपक्षीय एजेंडे की प्रगति की समीक्षा की। इस बीच प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को भारत आने का निमंत्रण दिया, जहां इस साल 23वां भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित होगा।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी इस बातचीत की जानकारी साझा करते हुए लिखा, "मेरे मित्र राष्ट्रपति पुतिन से बहुत ही अच्छी और विस्तृत बातचीत हुई। यूक्रेन को लेकर हालिया घटनाक्रम साझा करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। हमने द्विपक्षीय एजेंडे की प्रगति की समीक्षा की और भारत-रूस विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस वर्ष के अंत में भारत में राष्ट्रपति पुतिन की मेजबानी की प्रतीक्षा है।"

गौरतलब है कि राष्ट्रपति पुतिन की आखिरी भारत यात्रा 6 दिसंबर 2021 को हुई थी, जब वे 21वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल होने नई दिल्ली आए थे। वहीं, पीएम मोदी ने पिछले साल रूस के दो महत्वपूर्ण दौरे किए- जुलाई में 22वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन और अक्टूबर में कजान में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया। इन नियमित मुलाकातों से स्पष्ट है कि दोनों देशों के शीर्ष नेता द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाए रखने के लिए लगातार संपर्क में हैं।

मिथिलांचल की संस्कृति पूरे भारतीय संस्कृति का अनन्य गहना है- अमित शाह

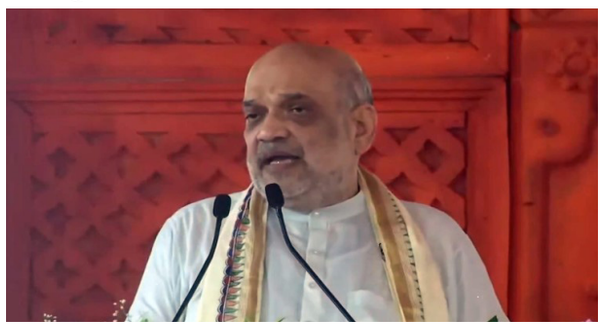

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सीतामढ़ी में मां जानकी की जन्मस्थली पुनौरा धाम मंदिर के भूमि पूजन के बाद इस कार्यक्रम में आए लोगों को संबोधित किया। उन्होंने मिथिलांचल की संस्कृति की तारीफ करते हुए कहा कि सही अर्थों में मिथिलांचल की संस्कृति पूरे भारतीय संस्कृति का अनन्य गहना है।

इस दौरान उन्होंने विपक्ष को निशाने पर लिया और एनडीए सरकार के किए गए विकास कार्यों की तारीफ की। उन्होंने आज के दिन को देश और दुनिया के लिए शुभ बताते हुए कहा कि माता सीता ने एक ही जीवन में आदर्श पत्नी, आदर्श बेटी, आदर्श मां और आदर्श राजमाता के स्वरूपों को चरितार्थ किया है। आज माता जानकी का जहां जन्म हुआ, उस पुनौरा धाम मंदिर के परिसर का समग्र विकास होने की नींव डालने का काम हुआ है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मां जानकी की जन्मस्थली पर जो यह भव्य मंदिर बनने जा रहा है, यह केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि मिथिलांचल के भाग्योदय की शुरुआत है। उन्होंने मिथिलांचल की संस्कृति के साथ यहां की कला की भी तारीफ की।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक मंच पर मिथिला की कला को हमेशा आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति को मधुबनी पेंटिंग भेंट की और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति को भी मिथिलांचल की कला का नमूना देकर विदेश में मिथिला की कला का गौरव बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि मिथिला, वाल्मीकि रामायण से लेकर महाभारत और बौद्ध तथा जैन साहित्य तक, हमारी संस्कृति का केंद्र रहा है। धर्मशास्त्र, साहित्य, संगीत, भाषा और तंत्रज्ञान का यह एक बहुत बड़ा केंद्र रहा है। मिथिलांचल, जहां राजा जनक हुए, जहां याज्ञवल्क्य और मैत्रेयी हुए, जहां शंकराचार्य और मंडन मिश्र ने शास्त्रार्थ को चरम सीमा पर पहुंचाया, जहां मुनि अष्टावक्र ने अष्टावक्र गीता का ज्ञान दिया, उसे फिर से विद्या का धाम और संस्कृति का केंद्र बनाने की शुरुआत आज यहां से होगी।

इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर भी जोरदार हमला बोला। उन्होंने राजद नेता तेजस्वी यादव को निशाने पर लेते हुए कहा कि आपके माता-पिता की सरकार ने गुंडई करने के अलावा, गैंग चलाने के अलावा, अपहरण-फिरौती के अलावा मिथिलांचल के विकास के लिए क्या किया? आप इसका हिसाब दीजिए। उन्होंने एनडीए सरकार में किए गए कार्यों की गिनती कराते हुए कहा कि हमने पीएम मोदी की तरफ से विकास का सारा हिसाब दे दिया।

वहीं, मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर भी उन्होंने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव दोनों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार में एसआईआर का विरोध कर क्या जताना चाहते हैं? इनको बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी हार का अहसास हो गया है, इसलिए ये तमाम बहाने कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग घुसपैठियों को वोट बैंक समझते हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस साल बिहार में होने वाले चुनाव में भी एनडीए विजयी होगी।

पाकिस्तान के साथ संबंधों पर पुनर्विचार करें डोनाल्ड ट्रंप- बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की हाल के दिनों में पाकिस्तान के साथ नजदीकी देखी गई है। प्रमुख बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पत्र लिखकर पाकिस्तान जैसे कट्टरपंथी राज्य के साथ अपने संबंधों को लेकर दोबारा सोचने का आह्वान किया है। मीर यार बलूच ने अमेरिकी राष्ट्रपति से बलूचिस्तान को मान्यता और समर्थन देने का भी आग्रह किया है।

मीर यार बलूच ने अपने पत्र में लिखा, "पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर की आगामी अमेरिका यात्रा पर हम आपका ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। मुनीर एक ऐसी संस्था का नेतृत्व करते हैं जो पाकिस्तान के कब्जे वाले बलूचिस्तान में मानवाधिकारों के उल्लंघन में शामिल है। पाकिस्तानी सेना और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने न सिर्फ 40,000 से ज्यादा बलूच नागरिकों को गायब किया है, बल्कि ओसामा बिन लादेन सहित वैश्विक आतंकवादियों को पनाह देने में भी सक्रिय रही है।"

पत्र में लिखा है, "हम आपसे जनरल मुनीर से सम्मानपूर्वक यह पूछने का आग्रह करते हैं कि पाकिस्तान किस कानूनी या नैतिक आधार पर बलूचिस्तान की प्राकृतिक संपदा पर अपना दावा करता है? क्या वह पंजाब प्रांत में किसी ऐसे भंडार पर अपना दावा कर सकता है?"

बलूच समुदाय की ओर से अमेरिकी राष्ट्रपति को संबोधित करते हुए मीर ने लिखा, "बलूचिस्तान पाकिस्तान और ईरान के अवैध कब्जे वाला एक प्राचीन संप्रभु राष्ट्र है, जो दुर्लभ खनिज, तेल, गैस, रणनीतिक भूगोल, हवाई अड्डों और समुद्री बंदरगाहों के मामले में समृद्ध होने के बावजूद दमनकारी शासन के अधीन है और पीड़ित है। हमारी धर्मनिरपेक्ष और शांतिपूर्ण परंपराओं को दबाया जाता है।"

बलूच कार्यकर्ता ने लिखा, "9/11 की आतंकी घटना के बाद अमेरिका ने पाकिस्तान पर भरोसा करके बड़ी गलती की। पाकिस्तान ने हमेशा दोहरा खेल खेला है। बलूच, सिंधी और पश्तून जैसे उग्रवाद का विरोध करने वाले धर्मनिरपेक्ष समूहों को मजबूत करने की जगह पूर्व की अमेरिकी सरकार ने पाकिस्तानी सेना का समर्थन किया है, जबकि पाकिस्तानी सेना आतंक को पनाह और कट्टरपंथ को बढ़ावा देती है। आईएसआई की निगरानी में आईएसआईएस और दाएश जैसे कई आतंकवादी संगठनों के प्रशिक्षण केंद्र हाल के महीनों में बढ़े हैं, जिससे क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा पैदा हो गया है।"

मीर ने पत्र में लिखा, "पाकिस्तान 6 करोड़ बलूच लोगों की वैध आकांक्षाओं को दबाती है। बलूच लोगों ने हमेशा धार्मिक सहिष्णुता और सह-अस्तित्व की परंपरा को कायम रखा है। हम हिंदुओं, यहूदियों, ईसाइयों, बौद्धों या किसी अन्य धर्म के अनुयायियों के प्रति कोई द्वेष नहीं रखते। इसके विपरीत, पाकिस्तानी सेना और उसकी खुफिया एजेंसी, आईएसआई के भीतर के तत्वों ने पश्चिम-विरोधी भावनाओं को बढ़ावा देने के लिए लगातार कट्टरपंथी धार्मिक समूहों का शोषण किया है।"

मीर बलूच ने पत्र के जरिए पूछा है कि क्या अमेरिका शत्रुता को बढ़ावा देने वाले सरकारी तंत्र को समर्थन देना जारी रखेगा जो सार्वजनिक कार्यक्रमों में "अमेरिका इजरायल मुर्दाबाद" के नारे लगवाता है।

मानवाधिकार कार्यकर्ता ने ट्रंप प्रशासन से निर्वासित स्वतंत्रता-समर्थक बलूच नेतृत्व और प्रतिनिधियों, जो बलूच राष्ट्रवादी नेता हिर्बयार मरी और फ्री बलूचिस्तान मूवमेंट के अध्यक्ष के नेतृत्व में शांति, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध हैं, के साथ सीधी बातचीत शुरू करने का आग्रह किया। मीर ने पत्र के अंत में अमेरिका से न्यायोचित उद्देश्य के प्रति ध्यान की उम्मीद जताई है।

कैबिनेट ने असम और त्रिपुरा के जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए 4,250 करोड़ रुपए के पैकेज को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने असम और त्रिपुरा के लिए 4,250 करोड़ रुपए के विशेष विकास पैकेज को मंजूरी दे दी है। यह पैकेज असम और त्रिपुरा के कमजोर और जनजातीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसमें कुल चार नए घटक शामिल किए गए हैं, जो मौजूदा विशेष विकास पैकेज (एसडीपी) योजना के तहत आएंगे।

पहला घटक असम के जनजातीय क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 500 करोड़ रुपए का होगा, जो भारत सरकार और असम सरकार द्वारा असम के जनजातीय समूहों के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (MoS) के अनुसार होगा। दूसरा घटक असम के उत्तरी कैचर हिल्स स्वायत्त परिषद (NCHAC) क्षेत्र में दिमासा नेशनल लिबरेशन आर्मी (DNLA) और दिमासा पीपुल्स सुप्रीम काउंसिल (DPAC) के बसे गांवों में विकास के लिए 500 करोड़ रुपए का है।

तीसरे घटक के अंतर्गत उल्फा (ULFA) समूहों के साथ हुए समझौते के अनुसार असम में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 3,000 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे। चौथा घटक त्रिपुरा के जनजातीय विकास पर केंद्रित है, जिसमें त्रिपुरा सरकार और केंद्र सरकार ने मिलकर नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (NLFT) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (ATTF) के साथ समझौते के तहत 250 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। इन चारों घटकों का कुल परिव्यय 7,250 करोड़ रुपए है, जिसमें से 4,250 करोड़ रुपए केंद्र सरकार विशेष विकास पैकेज के तहत – असम के लिए 4,000 करोड़ रुपए और त्रिपुरा के लिए 250 करोड़ रुपए उपलब्ध कराएगी। शेष 3,000 करोड़ रुपए असम सरकार अपने संसाधनों से वहन करेगी।

इन योजनाओं से असम के जनजातीय समुदाय, दिमासा समुदाय, उल्फा से जुड़े क्षेत्र, और त्रिपुरा के आदिवासी समुदायों को व्यापक लाभ मिलेगा। यह पहल केंद्र की विशेष विकास पैकेजों की मौजूदा योजना के अंतर्गत की जा रही है। पूर्व में भी बोडो और कार्बी जैसे समूहों के लिए हुए समझौता-आधारित पैकेजों ने शांति और विकास में सकारात्मक परिणाम दिए हैं, जिनका अनुसरण करते हुए यह कदम उठाया गया है।

केंद्र सरकार ने आयकर विधेयक 2025 को वापस लिया, संसद में दोबारा होगी पेश

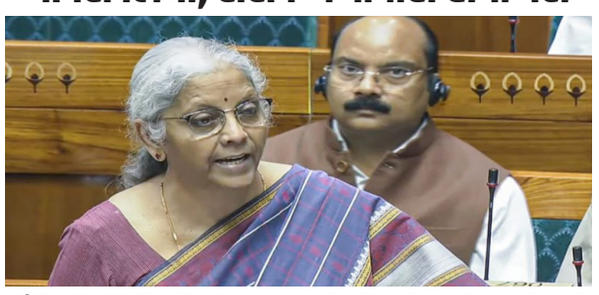

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने आयकर विधेयक 2025 को वापस लेने का फैसला लिया है। अब इसे संशोधित रूप में संसद में दोबारा पेश किया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लोकसभा में यह प्रस्ताव रखा, जिसे विपक्ष के शोर-शराबे के बीच मंजूरी मिल गई। यह निर्णय उस 31 सदस्यीय चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है जिसकी अध्यक्षता भाजपा सांसद बैजयंत पांडा कर रहे थे।

इस चयन समिति ने 21 जुलाई 2025 को मानसून सत्र के पहले दिन अपनी 4,584 पन्नों की विस्तृत रिपोर्ट लोकसभा में प्रस्तुत की थी। इस रिपोर्ट का उद्देश्य 1961 के मौजूदा आयकर अधिनियम की भाषा और ढांचे को सरल बनाना, और उसे आज की आर्थिक और कानूनी जरूरतों के अनुसार तैयार करना था। समिति ने कुल 566 सुझाव दिए हैं, जिनमें ड्राफ्ट में सुधार और विभिन्न हितधारकों के सुझाव शामिल हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नया कानून स्पष्ट हो और किसी भ्रम की स्थिति न रहे।

प्रमुख सिफारिशों में यह प्रस्ताव भी शामिल है कि करदाता यदि तय समय सीमा के बाद भी आयकर रिटर्न दाखिल करें, तो उन्हें रिफंड की सुविधा दी जा सके। इससे लाखों करदाताओं को राहत मिलने की संभावना है। इसके अलावा, समिति ने सूक्ष्म और लघु उद्यमों (MSME) की परिभाषा को एमएसएमई अधिनियम के अनुरूप करने, गैर-लाभकारी संगठनों के लिए कर नियमों को स्पष्ट करने, "आय" और "रसीद" जैसे शब्दों के उपयोग में स्पष्टता लाने, अज्ञात दान के प्रावधान को स्पष्ट करने और "डीम्ड एप्लीकेशन" की अवधारणा को हटाने की सिफारिश की है। इसके अलावा, रिपोर्ट में अग्रिम निर्णय शुल्क , भविष्य निधि पर टीडीएस, लो-टैक्स सर्टिफिकेट और दंडात्मक शक्तियों को स्पष्ट करने के लिए भी संशोधन की सिफारिश की गई है।

आयकर विधेयक 2025 को मूल रूप से 13 फरवरी 2025 को लोकसभा में पेश किया गया था। यह केंद्रीय बजट 2024 का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था, जिसका उद्देश्य था कि मौजूदा आयकर अधिनियम 1961 का व्यापक पुनर्गठन किया जाए, कर प्रावधानों को सरल बनाया जाए और कानूनी विवादों को कम किया जाए। अब यह विधेयक संशोधित रूप में, चयन समिति की सिफारिशों को शामिल करते हुए, संसद में दोबारा पेश किया जाएगा।

उज्ज्वला योजना की एलपीजी सब्सिडी 2025-26 में भी रहेगी जारी

-सरकार खर्च करेगी 12,000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) के लाभार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। पीएम मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज शुक्रवार को एलपीजी लक्षित सब्सिडी को वित्त वर्ष 2025-26 में भी जारी रखने की मंजूरी दी है। इस योजना के तहत 14.2 किलो के एलपीजी सिलेंडर पर 300 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। यह सब्सिडी प्रति वर्ष अधिकतम 9 रीफिल (और 5 किलो के सिलेंडर के लिए अनुपातिक रूप से) दी जाएगी। इसके लिए सरकार 12,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

मई 2016 में शुरू हुई PMUY का उद्देश्य देशभर में गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को डिपॉजिट-फ्री एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराना है। 1 जुलाई 2025 तक इस योजना के तहत करीब 10.33 करोड़ कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। एक लाभार्थी को सिलेंडर, प्रेशर रेगुलेटर, सुरक्षा होज, डोमेस्टिक गैस कंज्यूमर कार्ड (DGCC) बुकलेट और इंस्टॉलेशन चार्ज मिलता है। उज्ज्वला 2.0 के तहत पहली रीफिल और चूल्हा भी मुफ्त प्रदान किया जाता है। इन सभी खर्चों को भारत सरकार और तेल विपणन कंपनियां (OMCs) वहन करती हैं। गौरतलब है कि भारत अपनी एलपीजी जरूरत का लगभग 60% आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव से PMUY लाभार्थियों को बचाने और गैस को किफायती बनाने के लिए मई 2022 में 200 रुपये प्रति सिलेंडर की लक्षित सब्सिडी शुरू की गई थी, जिसे अक्टूबर 2023 में बढ़ाकर 300 रुपये प्रति सिलेंडर कर दिया गया।

PMUY उपभोक्ताओं की औसत प्रति व्यक्ति खपत लगातार बढ़ रही है। 2019-20 में यह लगभग 3 रीफिल प्रति परिवार थी, जो 2022-23 में बढ़कर 3.68 रीफिल हो गई। वित्त वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर करीब 4.47 रीफिल तक पहुंच गई। सरकार का मानना है कि इस लक्षित सब्सिडी से गरीब परिवारों के लिए गैस कनेक्शन का उपयोग आसान होगा और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

सरकार ने 2014 से अब तक 1,08,743 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया- नितिन गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने अप्रैल 2014 से अब तक 1,08,743 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है, जिनमें बड़े शहरों, शहरी क्षेत्रों, गांवों, आकांक्षी और आदिवासी जिलों तथा अन्य जिलों को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग भी शामिल हैं। इसमें पिछले पांच वर्षों और मौजूदा साल के दौरान एक या एक से अधिक समीपवर्ती जनजातीय जिलों तक सीमित राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के हिस्से के रूप में निर्मित 4,775 किलोमीटर लंबाई शामिल है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

ज्ञात हो, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के उन्नयन और रखरखाव की जिम्मेदारी उठाता है। देश के सभी आकांक्षी और जनजातीय जिले राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से जुड़े हुए हैं।

आकांक्षी और जनजातीय जिलों तथा अन्य जिलों को सड़क संपर्क सुविधा प्रदान करने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों सहित सभी राष्ट्रीय राजमार्गों का उन्नयन एवं रखरखाव एक सतत प्रक्रिया है। तदनुसार, क्षमता वृद्धि सहित राष्ट्रीय राजमार्गों पर कार्य राजमार्गों पर यातायात घनत्व, कनेक्टिविटी आवश्यकता, सड़क की स्थिति, पारस्परिक प्राथमिकता और पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) के साथ तालमेल के आधार पर किए जाते हैं।

वहीं, सरकार ने अप्रैल, 2014 से अब तक मध्य प्रदेश राज्य में 7,517 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है।

देश में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं (2014-2022) के विकास के प्रभाव पर भारतीय प्रबंधन संस्थान, बैंगलोर द्वारा किए गए अध्ययन के आधार से प्राप्त व्यापक निष्कर्ष निम्नानुसार हैं –

राष्ट्रीय राजमार्ग विकास में प्रत्येक एक रुपये के व्यय से सकल घरेलू उत्पाद में 3.2 रुपये की वृद्धि होती है

नियंत्रण जिलों की तुलना में उपचार जिलों में कारखानों और आपूर्तिकर्ताओं के बीच परिवहन में लगने वाला समय 9.19% कम हो गया है

नियंत्रण जिलों की तुलना में उपचार जिलों में कारखानों और ग्राहकों के बीच परिवहन में लगने वाला समय 4.93% तक घट गया है

नियंत्रण जिलों की तुलना में उपचार जिलों में स्कूलों तक पहुंचने का समय 16.6% कम हो गया है

नियंत्रण जिलों की तुलना में उपचार जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में लगने वाले समय में 9% की कमी आई है

नियंत्रण जिलों की तुलना में उपचार जिलों में मंडियों तक पहुंचने का औसत समय 7% कम हो गया है और नियंत्रण जिलों की तुलना में उपचार जिलों में मंडियों की औसत संख्या में 8% की वृद्धि हुई।

यद्यपि सरकार अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास में निरंतर लगी हुई है, लेकिन कृषि केन्द्रों, स्कूलों, स्वास्थ्य देखभाल केन्द्रों, पर्यटन केन्द्रों आदि तक अंतिम छोर तक सम्पर्कता की जिम्मेदारी केवल राज्य सरकार की है।

धराली में अब तक 367 लोगों का रेस्क्यू, हेलीकॉप्टरों से राहत अभियान तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के धराली इलाके में अब तक 367 लोगों का रेस्क्यू हो चुका है। पिछले दिनों धराली में बादल फटने के बाद पहाड़ों से आए सैलाब ने तबाही मचाई थी। कई घर ध्वस्त हो गए और इस दौरान सैकड़ों लोग इस इलाके में फंसे थे। फिलहाल, युद्धस्तर पर चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन के जरिए 367 लोगों को निकाला गया है। उत्तराखंड में मौसम साफ होने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन ने रफ्तार पकड़ी है। चिनूक हेलीकॉप्टर की मदद से प्रभावित इलाकों में मदद पहुंचाई जा रही है। भारी मशीनरी व रसद सामग्री वहां भेजी जा रही है। एमआई 17 समेत 8 निजी हेलीकॉप्टर भी रेस्क्यू में जुटे हैं। इनकी मदद से 112 लोगों को एयरलिफ्ट कर देहरादून पहुंचाया गया। 5 अगस्त को आई प्राकृतिक आपदा के बाद से धराली इलाके में अभी भी कुछ लोगों के लापता होने की आशंकाएं हैं। उत्तराखंड पुलिस ने बताया कि आपदा स्थल पर पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी, सेना, फायर और राजस्व की टीमें राहत व बचाव कार्य में जुटी हैं। आपदाग्रस्त क्षेत्र में फंसे लोगों को सुबह से हेली के माध्यम से आईटीबीपी मातली पहुंचाने का सिलसिला निरंतर जारी है। उत्तराखंड पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, "उत्तरकाशी आपदा राहत अभियान के तहत एक ओर उत्तराखंड पुलिस के जवान प्रभावितों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित पहुंचाने में सहयोग कर रहे हैं, घायलों को प्राथमिक उपचार व सहायता दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर राहत सामग्री को दुर्गम इलाकों तक पहुंचाने का संकल्प भी पूरी निष्ठा से निभा रहे हैं।" पुलिस ने यह भी जानकारी दी कि गंगनानी से 3 किमी आगे पुल ध्वस्त होने से रास्ता बंद हो गया था। बीआरओ की टीम ने नया पुल निर्माण शुरू किया है। एसडीआरएफ ने स्टील वायर से एलाइनमेंट तय किया।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

अनाथ बच्चों की शिक्षा: जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और बदलाव की राह

अनाथ बच्चों की शिक्षा को लेकर सार्थक पहल समाज के लिए एक ऐसी आवश्यकता है, जिसे नज़रअंदाज़ करना किसी भी सूरत में संभव नहीं होना चाहिए। गरीबी और सामाजिक उपेक्षा का चक्र तोड़ने में शिक्षा की भूमिका सदियों से अहम मानी जाती रही है। यही कारण है कि किसी भी बच्चे को शिक्षा से वंचित रखना केवल एक गलती नहीं, बल्कि एक तरह से अपराध है। यह स्थिति तब और भी गंभीर हो जाती है, जब हम उन बच्चों की बात करते हैं जिनके सिर से खेलने-कूदने की उम्र में ही माता-पिता दोनों का साया उठ गया हो। सरकारी स्तर पर योजनाओं और कानूनी प्रावधानों की कमी नहीं है। शिक्षा का अधिकार कानून से लेकर कई छात्रवृत्ति योजनाएं, अनाथ बच्चों के लिए विशेष आवास और संरक्षण गृह जैसे प्रावधान मौजूद हैं। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इन सुविधाओं का लाभ अधिकांश बच्चों तक नहीं पहुंच पाता। वजह कई हैं – प्रशासनिक लापरवाही, जानकारी का अभाव, भ्रष्टाचार और समाज में व्याप्त उदासीनता। खासकर वे अनाथ बच्चे जिनके माता-पिता का निधन अचानक किसी दुर्घटना, बीमारी या आपदा में हो गया, उनके लिए स्थिति और अधिक कठिन होती है। अक्सर देखा जाता है कि अनाथ बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी रिश्तेदारों या परिवार के अन्य सदस्यों पर आ जाती है। लेकिन यह जिम्मेदारी हर बार संवेदनशीलता और स्नेह के साथ पूरी नहीं होती। कई मामलों में ऐसे बच्चों को घरेलू काम-काज या मजदूरी में झोंक दिया जाता है, जिससे उनकी पढ़ाई का सपना अधूरा रह जाता है। कोरोना महामारी ने इस संकट को और गहरा कर दिया। महामारी के दौरान लाखों बच्चों ने अपने माता-पिता को खोया और उनमें से बड़ी संख्या अब भी मानसिक और आर्थिक संकट से जूझ रही है। शिक्षा की कमी का सबसे गंभीर असर यह है कि ये बच्चे भविष्य में गरीबी, बेरोज़गारी और शोषण के दुष्चक्र से निकल नहीं पाते। अगर इन्हें उचित समय पर शिक्षा, मार्गदर्शन और मानसिक सहयोग मिल जाए, तो ये न सिर्फ अपने पैरों पर खड़े हो सकते हैं, बल्कि समाज में भी योगदान दे सकते हैं। इस दिशा में कुछ गैर-सरकारी संगठन, सामाजिक संस्थाएं और जागरूक नागरिक सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। कई स्थानों पर 'स्पॉन्सरशिप प्रोग्राम' के तहत लोगों को प्रेरित किया जा रहा है कि वे अनाथ बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाएं। लेकिन केवल दान या मदद से ही तस्वीर नहीं बदल सकती। आवश्यकता है कि सरकारी तंत्र को अधिक सक्रिय, संवेदनशील और जवाबदेह बनाया जाए। अनाथ बच्चों की पहचान, उनके लिए आवासीय विद्यालय या छात्रावास की व्यवस्था, शिक्षा के साथ-साथ उनके मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान और उनके अधिकारों की सुरक्षा—ये सभी कदम एक साथ उठाने होंगे। इसके अलावा, समाज में भी यह भावना मजबूत करनी होगी कि अनाथ बच्चों की मदद किसी एहसान या दया का काम नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी है। यदि हर नागरिक, संस्था और सरकार मिलकर यह संकल्प लें कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, तो इस दिशा में बड़े बदलाव संभव हैं।

ट्रेड वॉर: ट्रंप के नए दांव के बाद भारत को वैश्विक निर्भरता खत्म करने पर गंभीरता से विचार करना होगा

-टैरिफ संकट अवसर भी, वक्त है नीति सुधार का

दुनिया की अर्थव्यवस्था आज जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां व्यापार युद्ध (Trade War) केवल दो देशों का मुद्दा नहीं रह गया, बल्कि यह पूरी वैश्विक आर्थिक संरचना को प्रभावित करने वाला एक व्यापक संकट है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का हालिया 'टैरिफ दांव' भारत जैसे देशों के लिए सीधे-सीधे चुनौती बनकर सामने आया है। ट्रंप ने अमेरिका की आयात नीति में एक बार फिर कठोर रुख अपनाते हुए भारत सहित कई देशों पर ऊंचे आयात शुल्क (Import Tariffs) लगाने की घोषणा की है। भारत के लिए यह खबर केवल आर्थिक दबाव का संकेत नहीं है, बल्कि एक बड़े अवसर की दस्तक भी है — क्योंकि इतिहास गवाह है कि संकट के समय में यदि सही नीति-संशोधन और संरचनात्मक बदलाव किए जाएं, तो वही संकट आने वाले समय में ताकत में बदल सकता है। यह वक्त भारत के लिए अपनी वैश्विक आर्थिक निर्भरता को कम करने और स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहन देने का है।

ट्रंप का नया टैरिफ दांव: भारत पर सीधा असर

डोनाल्ड ट्रंप का नया व्यापारिक कदम अमेरिका की 'प्रोटेक्शनिस्ट पॉलिसी' (सुरक्षात्मक आर्थिक नीति) का अगला चरण है। इस नीति के तहत अमेरिका अपने घरेलू उद्योगों को बचाने के लिए विदेशी सामानों पर भारी टैरिफ लगाता है।

भारत पर संभावित असर: भारतीय वस्त्र, दवा, स्टील, एल्युमिनियम, आईटी सेवाओं जैसे क्षेत्रों पर दबाव बढ़ेगा। अमेरिका भारत का प्रमुख निर्यात बाज़ार है। ऊंचा टैरिफ भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा क्षमता को कम कर देगा। कई MSMEs (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग) जो अमेरिकी ऑर्डर पर निर्भर हैं, उनकी आय में गिरावट आएगी।

संदेश साफ है: ट्रंप का यह कदम भारत के लिए चेतावनी है कि केवल एक या दो बड़े निर्यात बाज़ारों पर निर्भर रहना खतरनाक है।

भारत-अमेरिका व्यापार संबंध: संक्षिप्त पृष्ठभूमि

भारत और अमेरिका का व्यापारिक रिश्ता पिछले दो दशकों में तेज़ी से बढ़ा है। 2023-24 में भारत ने अमेरिका को लगभग $118 बिलियन का निर्यात किया। प्रमुख निर्यात: आईटी सेवाएं, वस्त्र, औषधियां, ऑटो पार्ट्स, जेम्स एंड ज्वेलरी। अमेरिका भी भारत के लिए तकनीक, रक्षा उपकरण, मशीनरी और कृषि उत्पाद का महत्वपूर्ण स्रोत है। लेकिन यह रिश्ता संतुलित नहीं है — भारत की निर्भरता अमेरिका पर ज़्यादा है, जबकि अमेरिका के पास भारत के विकल्प मौजूद हैं।

वैश्विक निर्भरता: भारत की अर्थव्यवस्था की कमजोरी

भारत की अर्थव्यवस्था में निर्यात आधारित वृद्धि की नीति लंबे समय से अपनाई गई है। यह मॉडल तब तक चलता है जब तक वैश्विक बाज़ार खुले रहते हैं। परंतु,

वैश्विक मंदी, टैरिफ युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव, और आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटें

ने यह साबित कर दिया है कि केवल वैश्विक बाज़ार पर निर्भर रहना जोखिम भरा है।

उदाहरण:

कोविड-19 महामारी में मेडिकल उपकरणों और कच्चे माल के लिए भारत चीन पर निर्भर था।

रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान उर्वरक और ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई।

अब ट्रंप का टैरिफ दांव, अमेरिका पर निर्भर क्षेत्रों के लिए खतरे की घंटी है।

टैरिफ संकट में छिपा अवसर

हर संकट में अवसर छिपा होता है। घरेलू उद्योगों के लिए मौका: जब विदेशी सामान महंगे होंगे, तो घरेलू उत्पादों के लिए बाज़ार बढ़ेगा।

विविध निर्यात गंतव्य: भारत नए बाज़ारों की तलाश कर सकता है — लैटिन अमेरिका, अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया। टेक्नोलॉजी और नवाचार: आयात पर निर्भर तकनीक को देश में विकसित करने की दिशा में R&D में निवेश बढ़ाया जा सकता है।

नीति सुधार की ज़रूरत: भारत के लिए रोडमैप

उत्पादन में आत्मनिर्भरता

'मेक इन इंडिया' को केवल नारा नहीं, वास्तविक उत्पादन क्रांति बनाना होगा। इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा, मशीनरी, फार्मास्यूटिकल्स में घरेलू निर्माण बढ़ाना।

निर्यात बाज़ारों का विविधीकरण

अमेरिका-यूरोप पर अति-निर्भरता से हटकर

ASEAN देशों, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका

में बाज़ार बढ़ाना।

टैरिफ और व्यापार नीति का लचीलापन

भारत को भी अपने आयात-निर्यात टैरिफ ढांचे की समीक्षा करनी होगी। जहां ज़रूरी हो, वहां प्रतिकारी टैरिफ (Reciprocal Tariffs) लगाकर संदेश देना होगा।

MSME सेक्टर को मजबूती

MSME निर्यातकों के लिए सस्ती पूंजी, आसान क्रेडिट और टेक्नोलॉजी अपग्रेड की सुविधा। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए सीधा अंतरराष्ट्रीय व्यापार बढ़ाना।

कृषि और विनिर्माण: दोहरी रणनीति

कृषि क्षेत्र

प्रोसेस्ड फूड, ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स, मसाले — ऐसे उत्पाद जहां भारत का वैश्विक ब्रांड वैल्यू है, उन्हें बढ़ावा देना। कोल्ड स्टोरेज और लॉजिस्टिक सप्लाई चेन में निवेश।

विनिर्माण

ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, मशीन टूल्स, सोलर पैनल जैसे क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धी उत्पादन। चीन के विकल्प के रूप में खुद को पेश करना।

तकनीकी आत्मनिर्भरता: आयात पर निर्भरता खत्म करने का रास्ता

भारत का सबसे बड़ा आयात बिल पेट्रोलियम और इलेक्ट्रॉनिक्स पर है। इलेक्ट्रॉनिक्स: चिप निर्माण (Semiconductor Fabrication) को प्राथमिकता देना। ऊर्जा: नवीकरणीय ऊर्जा (सौर, पवन, हाइड्रोजन) में निवेश, ताकि तेल पर निर्भरता घटे।

कूटनीतिक संतुलन: आर्थिक संकट में विदेश नीति

टैरिफ युद्ध केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और कूटनीतिक खेल भी है। भारत को अमेरिका से टकराव के बजाय संवाद और विन-विन समाधान तलाशना होगा। साथ ही, यूरोप, जापान, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ व्यापार समझौते (FTAs) तेज़ी से करने होंगे।

इतिहास से सबक: जब भारत ने संकट को अवसर में बदला

1991 का आर्थिक संकट: विदेशी मुद्रा भंडार घटा, लेकिन इसी संकट ने उदारीकरण और आर्थिक सुधारों का रास्ता खोला। कोविड महामारी: स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश बढ़ा, वैक्सीन उत्पादन में आत्मनिर्भरता आई। आज का टैरिफ संकट भी वैसा ही मोड़ है।

जनता की भूमिका और उपभोक्ता व्यवहार

यदि उपभोक्ता विदेशी सामान की जगह भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता देंगे, तो घरेलू उद्योग मजबूत होंगे। वोकल फॉर लोकल अभियान को व्यवहार में उतारना होगा।

चुनौती से अवसर की ओर

ट्रंप का टैरिफ दांव भारत के लिए अल्पकालिक कठिनाइयां जरूर लाएगा, लेकिन दीर्घकाल में यह भारत को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूती से कदम बढ़ाने का मौका भी देगा।

भारत को इस समय तीन चीज़ें करनी होंगी: नीति सुधार – उत्पादन, व्यापार, निवेश नीतियों में लचीलापन। नए बाज़ार – अमेरिकी निर्भरता घटाकर वैश्विक विविधीकरण। तकनीकी निवेश – घरेलू नवाचार और R&D को प्राथमिकता। यदि भारत ने यह रास्ता चुना, तो आने वाले दशक में वह न केवल अमेरिका के टैरिफ संकट से निकल पाएगा, बल्कि खुद को एक सशक्त और आत्मनिर्भर आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करेगा। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत सहित कई देशों पर ऊंचे आयात शुल्क (Import Tariffs) लगाने का ऐलान किया है। यह कदम अमेरिकी 'प्रोटेक्शनिस्ट पॉलिसी' का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य घरेलू उद्योगों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाना है।

भारत के लिए यह सीधा झटका है, क्योंकि अमेरिका उसका सबसे बड़ा निर्यात बाज़ार है। आईटी सेवाएं, वस्त्र, दवाएं, स्टील और एल्युमिनियम जैसे सेक्टर पर दबाव बढ़ सकता है, खासकर उन MSMEs पर जो अमेरिकी ऑर्डर्स पर निर्भर हैं। । यह संकट भारत के लिए चेतावनी है कि केवल एक या दो बड़े निर्यात बाज़ारों पर निर्भर रहना खतरनाक है। कोविड-19, रूस-यूक्रेन युद्ध और अब टैरिफ दांव जैसे घटनाक्रम साबित करते हैं कि वैश्विक निर्भरता हमेशा जोखिम भरी रहती है। फिर भी, इसमें अवसर छिपा है। विदेशी सामान महंगे होने से घरेलू उद्योगों के लिए बाज़ार बढ़ सकता है।

व्यापार बनाम विदेश नीति: भ्रम, चुप्पी और भारतीय गरिमा पर मंडराता संकट- डॉ. सुमीत गर्ग

सवाई माधोपुर। पिछले एक दशक में भारत की विदेश नीति दिशाहीनता, भय और अवसरवाद के त्रिकोण में फंसी रही है। कभी गुटनिरपेक्ष आंदोलन की अगुवाई करने वाला भारत आज अमेरिकी चुनावी राजनीति का दर्शक बन गया है, कभी रूस और ईरान जैसे पुराने मित्रों से दूरी बना लेता है, तो कभी चीन की ओर नरमी दिखाने लगता है। यह वह भारत नहीं है जिसकी विदेश नीति के आधार पर एक आत्मनिर्भर, निडर और निर्णायक राष्ट्र की पहचान बनी थी। इस भ्रमित विदेश नीति की पराकाष्ठा तब देखने को मिली जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव प्रचार में प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया। "अबकी बार ट्रंप सरकार" जैसे नारे, "नमस्ते ट्रंप" और "हाऊदी मोदी" जैसे विशाल राजनीतिक आयोजनों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 140 करोड़ भारतीयों की गरिमा को एक व्यक्ति विशेष के राजनीतिक स्वार्थ के लिए झुका दिया। विदेश नीति के मंच पर भारत, एक संप्रभु राष्ट्र की जगह, एक चुनावी प्रचारक की भूमिका में नजर आया। आज जब डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50% टैरिफ लागू करने की घोषणा की है तो यह केवल आर्थिक नहीं, बल्कि कूटनीतिक असफलता का संकेत भी है। ट्रंप का तर्क है कि भारत रूस से तेल खरीद रहा है, और रूस उसी पैसे से हथियार लेकर यूक्रेन में नरसंहार कर रहा है। लेकिन प्रश्न यह है कि चीन, जो रूस से भारत से कहीं अधिक तेल आयात करता है, और तुर्की, जो तीसरे नंबर पर है उन पर कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी जा रही? क्यों सिर्फ भारत? इसका सीधा संकेत है कि भारत की विदेश नीति में आज विश्वास और स्पष्टता का अभाव है। आज भारत हर वर्ष अमेरिका को लगभग ₹6 लाख करोड़ का निर्यात करता है। यदि इस पर 50% टैरिफ लग जाता है तो इससे भारतीय वस्तुएं अमेरिकी बाजार में महंगी हो जाएंगी और उनकी मांग में गिरावट आएगी। इसका असर केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहेगा। मांग घटने के कारण भारतीय फैक्ट्रियां अपने उत्पादन में कटौती करेंगी। इससे लागत बढ़ेगी, लाभ घटेगा और अनेक औद्योगिक इकाइयां या तो बंद हो जाएंगी या दिवालिया हो जाएंगी। कई कंपनियां श्रमिकों की छंटनी करेंगी, जिससे व्यापक स्तर पर बेरोजगारी फैलेगी। उद्योग संगठनों के मुताबिक, हर ₹1 लाख करोड़ के निर्यात से औसतन 8–10 लाख लोगों को रोजगार मिलता है। इस गणना के अनुसार, अमेरिका के टैरिफ प्रभाव से भारत की लगभग 35–40 लाख नौकरियां खतरे में पड़ सकती हैं। इतना ही नहीं, अस्थिर नीतियों और वैश्विक बाज़ार में विश्वसनीयता कम होने के कारण अब भारत के सफल लेकिन असुरक्षित व्यापारी और निर्यातक वर्ग का एक हिस्सा स्थायित्व की तलाश में विदेशों का रुख करेगा। यह "ब्रेन और बिज़नेस ड्रेन" भारत के दीर्घकालिक आर्थिक और औद्योगिक स्वास्थ्य के लिए घातक होगा। दूसरी ओर, रूस से तेल खरीदकर भारत को सालाना लगभग ₹80,000 करोड़ की बचत होती है। लेकिन इस बचत का भी लाभ आम उपभोक्ता तक नहीं पहुंच रहा। निजी क्षेत्र की कंपनियां विशेष रूप से रिलायंस और नायरा भारी मात्रा में सस्ता रूसी तेल खरीद रही हैं, उसे प्रोसेस कर वैश्विक बाजार में ऊंचे दामों पर बेच रही हैं और अरबों का मुनाफा कमा रही हैं। इस बीच आम भारतीय उपभोक्ता को पेट्रोल-डीज़ल पर ₹1 की राहत भी नहीं दी गई। भारत की विदेश नीति अब व्यापारिक नीति बन गई है जहां कूटनीतिक संतुलन और राष्ट्रीय हित की बजाय, व्यापारी मित्रों के लाभ को प्राथमिकता दी जा रही है। कभी अमेरिका की गोदी में बैठने वाली सरकार, अब अमेरिका की धमकियों से घबराकर चीन की ओर झुकती दिख रही है। अब तो शायद "हिंदी-चीनी भाई-भाई" के नारे के साथ दिवाली पर चाइनीज़ झालर और पटाखे फिर से बाजार

में बिकेंगे, और भाजपा समर्थक इसे देशभक्ति का प्रतीक बना देंगे। यही असमंजस अब भारत को वैश्विक मंच पर अस्थिर, भ्रमित और अवसरवादी राष्ट्र के रूप में चित्रित कर रहा है। ईरान, जो वर्षों से भारत का भरोसेमंद सहयोगी रहा है, कश्मीर जैसे संवेदनशील मुद्दों पर OIC (ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन) में भारत के हितों की रक्षा करता रहा है, सस्ता कच्चा तेल देता रहा है उसके साथ भारत की संवादहीनता बढ़ती जा रही है। इसी प्रकार फिलीस्तीन और ग़ज़ा में हो रहे मानवाधिकार हनन पर भी भारत की चुप्पी बेहद शर्मनाक है। ग़ज़ा में भुखमरी, नरसंहार और विध्वंस के बावजूद भारत एक भी निर्णायक बयान देने से कतराता है। विदेश नीति की यह चुप्पी, यह भ्रम और यह अनिर्णय देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को लगातार गिरा रहा है। आज भारत न ईरान पर स्पष्ट नीति रख पा रहा है, न रूस पर, न चीन पर और न ही पाकिस्तान पर कोई निर्णायक रवैया अपना पा रहा है। ऑपरेशन सिंधु के समय पाकिस्तान के विरुद्ध भी भारत ने कोई कठोर या निर्णायक कदम नहीं उठाया। ऐसे में आज हमें इतिहास की ओर लौटकर देखना चाहिए। जब 1971 में अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन ने भारत को धमकी दी थी कि वह पाकिस्तान के पक्ष में सैन्य हस्तक्षेप करेगा, तब भारत की प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने आंख में आंख डालकर जवाब दिया था। उन्होंने न केवल पाकिस्तान को युद्ध में पराजित किया, बल्कि बांग्लादेश को एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाकर भारत को वैश्विक मंच पर एक निर्णायक, संप्रभु और निडर राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। वह निर्णय आज भी भारत की कूटनीतिक गरिमा का सबसे मजबूत अध्याय माना जाता है। इसके विपरीत, आज जब डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता भारत को खुलेआम धमकी दे रहे हैं, तब भारत का नेतृत्व न केवल मौन है, बल्कि भ्रम और भय से ग्रस्त भी है। यह चुप्पी केवल चुप्पी नहीं है, यह भारत की गरिमा, साख और आत्मसम्मान पर गहरा आघात है। देश एक कठिन दौर से गुजर रहा है। वैश्विक मंदी की आहट, बेरोजगारी का बढ़ता संकट, और विदेश नीति की यह दिशाहीनता सब मिलकर भारत को आंतरिक और बाह्य दोनों मोर्चों पर गंभीर संकट की ओर धकेल रहे हैं। अब समय आ गया है कि भारत की सरकार आत्ममंथन करे। विदेश नीति कोई व्यापारिक सौदा नहीं होती। यह देश की आत्मा, उसकी प्रतिष्ठा और उसके भविष्य की नींव होती है। यदि आज भी सत्ता में बैठे लोग कड़े निर्णय नहीं लेंगे, स्पष्ट रणनीति नहीं अपनाएंगे और केवल चुनावी लाभ व पूंजीपतियों के मुनाफे को प्राथमिकता देंगे तो इसका मूल्य इस देश की 140 करोड़ जनता को चुकाना पड़ेगा। भारत को भारत की तरह सोचना होगा, बोलना होगा और निर्णय लेना होगा बिना किसी भय, लालच या भ्रम के। तभी हम वह राष्ट्र बन पाएंगे, जिसकी नींव कभी गांधी, नेहरू, पटेल और श्रीमती इंदिरा गांधी ने रखी थी एक आत्मनिर्भर, साहसी और वैश्विक नेतृत्व करने वाला भारत।

मौलवी अहमदुल्लाह शाह फैज़ाबादी: 1857 की पहली आज़ादी की लड़ाई के शेर-ए-अवध

-अंग्रेज़ों से बढ़ता टकराव – अन्याय के खिलाफ़ आवाज़

1857 की पहली आज़ादी की लड़ाई भारतीय इतिहास का वह सुनहरा अध्याय है जिसमें देश के कोने-कोने से वीरों ने अंग्रेज़ी हुकूमत को चुनौती दी। इस लड़ाई में कई नाम अमर हो गए, लेकिन कुछ ऐसे भी क्रांतिकारी थे जिनकी शहादत और योगदान को इतिहास ने उतना उजागर नहीं किया जितना होना चाहिए था। इन्हीं में से एक हैं मौलवी अहमदुल्लाह शाह फैज़ाबादी, जिन्हें अंग्रेज़ "द फ़र्स्ट फ़्रीडम फ़ाइटर ऑफ़ अवध" और "द लायन ऑफ़ फैज़ाबाद" कहकर पुकारते थे। वे न सिर्फ़ धार्मिक विद्वान थे, बल्कि एक उत्कृष्ट योद्धा, युद्ध-रणनीतिकार और जनता को संगठित करने वाले नेता भी थे।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

मौलवी अहमदुल्लाह शाह का जन्म 1787 में फैज़ाबाद (अवध) में एक धार्मिक और सम्मानित परिवार में हुआ। उनके परिवार की पृष्ठभूमि इस्लामी शिक्षा और सूफ़ी परंपरा से जुड़ी थी। बचपन से ही उन्होंने कुरआन, हदीस, फ़िक़्ह और अरबी-फ़ारसी साहित्य की गहरी शिक्षा प्राप्त की। साथ ही उन्होंने घुड़सवारी, तलवारबाज़ी और युद्धकला में भी महारत हासिल की। वे एक धार्मिक नेता होने के साथ-साथ सामाजिक मामलों में भी सक्रिय रहते थे। उनका व्यक्तित्व बेहद करिश्माई था—ऊंचा कद, मजबूत शरीर, तेज नज़रें और गूंजदार आवाज़, जो किसी भी सभा में लोगों का ध्यान खींच लेती थी।

अंग्रेज़ों से बढ़ता टकराव

19वीं सदी के मध्य में जब ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने अवध पर नाजायज़ तरीके से कब्ज़ा किया, तो यहां के लोगों में असंतोष फैल गया। अंग्रेज़ों ने ज़मींदारों, किसानों और व्यापारियों पर भारी कर लगाए और सामाजिक-धार्मिक मामलों में दखल देना शुरू किया। मौलवी अहमदुल्लाह शाह इन नीतियों के खुले आलोचक बन गए। वे खुलेआम अंग्रेज़ों के खिलाफ़ भाषण देने लगे और लोगों से इत्तेहाद (एकता) बनाकर लड़ने की अपील करते। इससे अंग्रेज़ी हुकूमत उन्हें "ख़तरनाक बाग़ी" मानने लगी और उनकी गतिविधियों पर नज़र रखी जाने लगी।

1857 की लड़ाई में अहम भूमिका

1857 में जब मेरठ से विद्रोह की चिंगारी भड़की, तो वह पूरे उत्तर भारत में फैल गई। अवध में इस आंदोलन का सबसे बड़ा चेहरा मौलवी अहमदुल्लाह शाह थे।

जनता को संगठित करना

उन्होंने मस्जिदों, बाज़ारों और चौपालों में जाकर किसानों, सैनिकों, दस्तकारों और व्यापारियों को अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ़ उठ खड़े होने के लिए प्रेरित किया। उनके भाषणों में धार्मिक उत्साह और देशभक्ति का अद्भुत मेल होता था।

फ़ैज़ाबाद से लखनऊ तक संघर्ष

मौलवी साहब ने फ़ैज़ाबाद को अपनी गतिविधियों का केंद्र बनाया और वहां से लखनऊ की ओर बढ़ते हुए अंग्रेज़ी चौकियों पर धावा बोला। उन्होंने कई जगहों पर अंग्रेज़ों की टुकड़ियों को पराजित किया और हथियार व गोला-बारूद अपने कब्ज़े में ले लिया।

रणनीति और युद्ध कौशल

उनकी युद्धनीति ग़ज़ब की थी—अचानक हमले, तेज़ी से स्थान बदलना और स्थानीय भूगोल का इस्तेमाल करना उनकी ख़ासियत थी। वे रात के अंधेरे में सैनिकों को छोटे-छोटे दलों में बांटकर दुश्मन पर चारों तरफ़ से हमला करवाते।

अंग्रेज़ों की नज़र में सबसे बड़ा खतरा

ब्रिटिश अफ़सरों के पत्रों और रिपोर्टों से पता चलता है कि वे मौलवी साहब को "अवध के सबसे ख़तरनाक बाग़ी" मानते थे। उनकी पकड़ न होने से अंग्रेज़ों की नींद उड़ गई थी। उन्होंने मौलवी अहमदुल्लाह शाह को पकड़वाने के लिए भारी इनाम का ऐलान किया—₹50,000 नकद। फिर भी, लंबे समय तक वे अंग्रेज़ों की पकड़ से बाहर रहे।

शाहजहांपुर में वीरता

1857 के अंत में मौलवी साहब शाहजहांपुर पहुंचे, जहां उन्होंने विद्रोही सेनाओं के साथ मिलकर अंग्रेज़ों को कड़ी टक्कर दी। उनका नेतृत्व इतना प्रेरक था कि लोग स्वेच्छा से अपने घर-परिवार छोड़कर उनकी फौज में शामिल हो जाते।

दुर्भाग्यपूर्ण विश्वासघात और शहादत

1858 में, जब अंग्रेज़ों ने पूरे दमखम के साथ बग़ावत को कुचलना शुरू किया, तब मौलवी साहब शाहजहांपुर से अवध की ओर बढ़ रहे थे। इसी दौरान शाहजहांपुर के राजा जगन्नाथ सिंह ने उन्हें धोखे से बुलाकर गिरफ्तार करवा दिया। राजा ने अंग्रेज़ों से इनाम पाने के लिए मौलवी साहब को पकड़कर सौंप दिया। अंग्रेज़ों ने बिना मुकदमे के 5 जून 1858 को उन्हें गोली मार दी। उनकी लाश को शहर के बीचोंबीच सार्वजनिक रूप से टांगा गया, ताकि लोग डरें और बग़ावत की सोच छोड़ दें।

व्यक्तित्व और नेतृत्व की खास बातें

धार्मिक और लौकिक ज्ञान का संगम – मौलवी साहब ने धार्मिक शिक्षा को राजनीतिक आज़ादी के संघर्ष से जोड़ा। अडिग साहस – वे जानते थे कि अंग्रेज़ों के खिलाफ़ उठना मौत को न्योता देना है, फिर भी पीछे नहीं हटे। जनसंपर्क की क्षमता – आम जनता के बीच जाकर उन्हें लड़ाई में शामिल करने की कला उनमें थी। गुरिल्ला युद्ध रणनीति – उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद अंग्रेज़ों को कई बार भारी नुक़सान पहुंचाया।

इतिहास में उपेक्षा

दुर्भाग्य से, मौलवी अहमदुल्लाह शाह का नाम मुख्यधारा के इतिहास में बहुत कम मिलता है। वजह यह रही कि अंग्रेज़ों ने उनके बारे में लिखी जानकारी को सीमित रखा और आज़ादी के बाद भी उन्हें वह सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार थे।

विरासत और प्रेरणा

आज जब हम आज़ादी के नायकों को याद करते हैं, तो मौलवी अहमदुल्लाह शाह का नाम लेना बेहद ज़रूरी है। उनकी ज़िंदगी हमें यह सिखाती है कि— अन्याय और अत्याचार के खिलाफ़ आवाज़ उठाना हर इंसान का फ़र्ज़ है। एकता में ताक़त है—चाहे धर्म, जाति या भाषा कुछ भी हो, आज़ादी के लिए सबको एक होना पड़ता है। नेतृत्व सिर्फ़ कुर्सी पाने का नाम नहीं, बल्कि अपने लोगों के लिए जान कुर्बान करने का हौसला है। मौलवी अहमदुल्लाह शाह फैज़ाबादी का जीवन एक ऐसे योद्धा की कहानी है, जिसने अपने धर्म, संस्कृति और मुल्क की आज़ादी के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया।

बहनों के लिए रोडवेज बसों में दो दिन की यात्रा नि:शुल्क - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री निवास पर शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में जयपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आई बहनों ने राखी बांधी। इस दौरान शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती गीता शर्मा भी मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री ने उपस्थित बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में भाई-बहन का रिश्ता बहुत स्नेहपूर्ण होता है। बहन अपने भाई की दीर्घायु और उन्नति के लिए ईश्वर से सदैव प्रार्थना करती है। उन्होंने कहा कि बहनें सावन माह के अंत में मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व की कई दिनों पूर्व से ही पूर्ण उत्साह और उमंग के साथ तैयारियां करती हैं।

बहनों ने कहा, ऐसा लग रहा कि भाई को राखी बांधने मायके आई हैं-

मुख्यमंत्री को राखी बांधने के दौरान बहनों के चेहरों पर खुशी और उत्साह नजर आया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निवास पर आकर ऐसा महसूस हो रहा है कि हम अपने भाई को राखी बांधने मायके आई हैं। उन्होंने प्रदेश में महिला सशक्तीकरण की दिशा में उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और विभिन्न योजनाओं के संचालन के लिए मुख्यमंत्री शर्मा का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर रक्षाबंधन पर्व के पारंपरिक लोकगीत भी गाए गए।

शर्मा ने कहा कि बहनों द्वारा बांधी गई राखी मेरा मजबूत सुरक्षा कवच है। इस रक्षासूत्र में बहनों का प्यार, स्नेह और आशीर्वाद है, जिससे मुझे और अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करने की ताकत मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने प्रदेश की सभी बहनों के लिए रोडवेज बसों में दो दिन की निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी है। शर्मा ने कहा कि हमारी बहनें विभिन्न भूमिकाओं में देश और प्रदेश की उन्नति में अपना योगदान दे रही हैं। उन्होंने आह्वान किया कि सभी बहनें पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाने के साथ ही सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ें।

1200 से अधिक मतदाताओं वाले समस्त मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन करना सुनिश्चित करें- मुख्य निर्वाचन अधिकारी

-मतदान केन्द्रों के पुनर्गठन को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की समीक्षा बैठक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने शुक्रवार को मतदान केन्द्र पुनर्गठन को लेकर राज्य के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने शासन सचिवालय से वीसी के जरिए सभी संभागीय आयुक्त, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 1200 से अधिक मतदाताओं वाले समस्त मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन करना सुनिश्चित करें।

महाजन के अनुसार पुनर्गठन की प्रक्रिया में यथा संभव अन्य समीपस्थ मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं का समायोजन किया जाए। समायोजन संभव न होने की स्थिति में ही मतदान केन्द्र का विभाजन किया जाए। अनुभाग विभाजन की स्थिति में एक परिवार के सभी मतदाताओं को आवश्यक रूप से एक साथ रखा जाएं। पुनर्गठन प्रस्तावों के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी ब्यावर एवं भरतपुर द्वारा 5 अगस्त को, अजमेर, बालोतरा, चूरू, डीडवाना-कुचामन, डीग, धौलपुर, जैसलमेर, करौली, नागौर, प्रतापगढ़, सलूंबर, टोंक, सीकर में 6 अगस्त को तथा अलवर, बांसवाड़ा, बारां बाड़मेर, भीलवाड़ा, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, डूंगरपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जयपुर, जालौर, झालावाड़, झुंझुनू, जोधपुर, खैरथल- तिजारा, कोटा, कोटपूतली-बहरोड, पाली, फलोदी, राजसमंद, सवाई-माधोपुर, सिरोही, उदयपुर में 7 अगस्त को मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर इस संबंध में चर्चा की गयी। नवीन महाजन ने बताया कि अब तक 30 जिलों से पुनर्गठन के प्रस्ताव प्राप्त किए जा चुके हैं। जिनकी राज्य स्तर पर समीक्षा की जा रही है। समस्त जिलों से प्रस्ताव प्राप्त होने के उपरांत राज्य स्तर पर समीक्षा कर भारत निर्वाचन आयोग को अनुमोदन हेतु भेजे जाएंगे।

शिक्षा मंत्री ने महाकाल का जल एवं दुग्ध से अभिषेक किया

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। हीर की बावड़ी स्थित बाबा बालनाथ आश्रम में राजस्थान सरकार के कैबिनेट शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बाबा बालनाथ जी के धूने पर श्रद्धा पूर्वक धोक लगाई और धार्मिक विधि-विधान के साथ महाकाल का जल एवं दुग्ध से अभिषेक किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंत्रोच्चारण के बीच पूजन-अर्चन कर उन्होंने बाबा बस्तीनाथ जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। यह धार्मिक आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बना रहा। दूर-दराज से श्रद्धालु एवं गणमान्य व्यक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विशेष रूप से कोलकाता से पधारे प्रतिष्ठित समाजसेवी सिंघानिया, गांव के सरपंच मदन यादव, डॉ. सुरेंद्र, राहुल, मेघराज सहित लाड़ाकाबास गांव की समस्त जनता ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

पूरे आयोजन के दौरान आध्यात्मिक वातावरण बना रहा और बाबा का जयघोष गूंजता रहा। उपस्थित जनसमुदाय ने बाबा बालनाथ जी से अपने जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

11 अगस्त को आयोजित होगा फसल बीमा क्लेम वितरण कार्यक्रम

-केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान होंगे मुख्य अतिथि

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान 11 अगस्त को झुंझुनू में आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को डीबीटी के माध्यम से फसल बीमा क्लेम वितरित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने शुक्रवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में जयपुर, झुंझुनू, कोटपुतली एवं सीकर जिलों के जिला कलेक्टर और संबंधित विभागीय अधिकारियों से समारोह की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। राजन विशाल ने सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों की प्रगति की समीक्षा की और निर्देश दिए कि सभी तैयारियाँ समयबद्ध व व्यवस्थित तरीके से पूर्ण की जाएं, ताकि कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो। शासन सचिव ने समारोह के सफल आयोजन के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में समन्वय बनाते हुए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने आयोजन की व्यवस्थाओं से जुड़े विभिन्न विभागों को आपसी समन्वय से काम करते हुए सभी व्यवस्थाएं बेहतर रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर किसानों के पहुंचने, बैठने और पेयजल की समुचित व्यवस्थाएं की जाए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पार्किंग की बेहतर सुविधा सुनिश्चित करने के साथ ही चिकित्सा सुविधा के अनुकूल बंदोबस्त करने के निर्देश दिए।

दानेदार नमक में लाल रंग मिलाकर बनाई जा रही थी नकली पोटाश

-मंगलम में नकली पोटाश बनाने की फैक्ट्री पर छापामार कार्यवाही, 2170 कट्टे जप्त

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। थाना पुलिस ने मंगलम कॉलोनी में गुरुवार देर रात करीब 2 बजे एक फैक्ट्री पर छापामार कार्यवाही करते हुए फैक्ट्री में भारी मात्रा में तैयार नकली पोटाश के 2170 कट्टे जप्त कर मौके पर कार्य कर रहे हैं करीब 8 मजदूर को पूछताछ के लिए थाने लाया गया है। मामले में कृषि विभाग की टीम ने जांच के बाद फैक्ट्री को सीज कर थाने में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज करवाया है।

थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मंगलम कॉलोनी में एक फैक्ट्री में नकली पोटाश बनाने का कार्य किया जा रहा है। जिसको भरकर ले जाने के लिए रात्रि में गाड़ी आने वाली है। जिसपर रात्रि करीब 2.30 बजे हेड कांस्टेबल लीलाधर व कांस्टेबल राजेंद्र जाट मय जाप्ता के फैक्ट्री में पहुंचे जहां नमक में लाल रंग मिलाकर नकली पोटाश तैयार करने का कार्य किया जा रहा था। जिसपर पुलिस ने मामले की सूचना कृषि विभाग को दी।

सूचना पर भाजपा नेता उपेन यादव, अतिरिक्त कृषि निदेशक कल्याण सहायक डोडवाडिया, सहायक निदेशक बाबूलाल यादव, कृषि अधिकारी हरबक्श चौधरी, पुलिस उपाध्यक्ष शाहपुरा मुकेश चौधरी, सुरेश यादव कृषि अधिकारी मौके पर पहुंचे जहां नारायण पोटाश ऑर्गेनिक, श्री राम शक्ति पोटाश के दो क्वालिटी में नकली मार्का लगे कट्टों में नमक व लाल रंग मिलाकर तैयार खाद्य को भरने का कार्य किया जा रहा था। मौके पर करीब आठ लेबर कार्य कार्यरत थी। जिनको पुलिस पूछताछ के लिए थाने लेकर आ गई। जिन्होंने पूछताछ में बताया कि उन्हें तो राजेश गुर्जर भोजपुरा, निखिल, विकास यादव, युवराज यादव काम के लिए लाए थे।

कृषि अधिकारी हरबक्श ने बताया कि मौके पर गुलाबी रंग के कट्टे जिन पर श्री किसान शक्ति ऑर्गेनिक पोटाश लिखा हुआ था उसके 272 कट्टे, नारायण पोटाश ऑर्गेनिक पोटाश पीली मार्क के 230 कट्टे, बिना सील के 128 कट्टे, तैयार मटेरियल बिना मार्का 126 और नमक के 914 कट्टे कुल 2170 कट्टे मिले। मौके पर ड्रम में भरा लाल रंग, एक मिक्सचर मशीन, इलेक्ट्रॉनिक तराजू मिली। जिसपर कृषि विभाग ने नकली पोटाश के सैंपल लेकर मौके पर जप्ती की कार्यवाही की। विभाग के अधिकारियों ने अपनी कार्यवाही करने के बाद फैक्ट्री को सील कर दिया। सैंपल लिए गए फैक्ट्री मालिक गोपाल यादव ने बताया कि उनसे तो भोजपुरा निवासी राजेश गुर्जर ने 17 हजार रुपए मासिक किराया में फैक्ट्री किराए पर ली थी। जिसके एडवांस में 34 हजार रुपए भी फोन पे से जमा करवा दिए थे।

उक्त मामले में सहायक निदेशक बाबूलाल यादव ने मनोहरपुर थाने में मामला दर्ज करवाया कि भाजपा नेता उपेन यादव ने सूचना दी कि मंगलम औद्योगिक क्षेत्र में नकली पोटाश बनाने का कार्यकिया जा रहा है। जिसपर कृषि विभाग की टीम मौके पर पहुंची । जहां पहले से पुलिस की टीम मौजूद थी। जिसकी मौजूदगी में नकली पोटाश के 2170 कट्टे जप्त कर क्रय विक्रय सहकारी समिति शाहपुरा को सुपुर्द कर दिया और आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज करवाया है।

रक्षाबंधन पर्व पर बहने भाई की कलाई पर प्यार बांधेगी

-राखियों की रौनक से बाजार गुलजार होता हुआ दिखाई दिया

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे सहित आसपास के समूचे क्षेत्र में शनिवार को रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास के साथ में मनाया जाएगा। शनिवार को बहने अपने भाइयों की कलाई पर प्यार बांधेगी। त्योहार को लेकर कस्बे में लोगों की भीड़ से जाम की स्तिथि बनी रही।जिससे लोगो को काफी समस्या रही। वही इससे पूर्व शुक्रवार को कस्बे के प्रमुख मार्गों पर बस स्टैंड, सैय्यद बाबा मार्केट, मुख्य बाजार गांधी चौक में रक्षाबंधन पर्व को लेकर लोगो की चलत फिरत रौनक दिखाई दी। जहा दुकानदारों ने जगह-जगह राखी की दुकाने लगाई गई। जहां पर महिलाओं की बड़ी संख्या में भीड़ देखने को मिली जो कि अपने भाइयों के लिए रंग बिरंगी मनमोहक राखियां खरीदती हुई नजर आई।

वहीं राज्य सरकार की ओर से महिलाओं के लिए निःशुल्क बस सेवा करने से मुख्य बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड सफर करते हुई नजर आई। वही त्यौहार को लेकर कोई घटना न हो इसके लिए पुलिस सतर्क नजर आई। इस दौरान बाजारों में रंग बिरंगी लटकन व मोटू पतलू छोटा भीम व लाइट वाली जेसी राखियां महिलाओं व नन्हे मुन्ने बच्चों को लुभा रही है। बहने अपने भाइयों के लिए अच्छी से अच्छी राखियां सेलेक्ट कर दुकान से ले जा रही है। राखियों की दुकान सुशोभित तरीके से लगने पर बाजार की रौनक गुलजार होता हुआ दिखाई दी।

गौशाला में गायों के संग मनाया अपनी मां की पंद्रहवीं पुण्यतिथि

-साथ ही झुग्गी- झोपड़ियों में जरूरतमंद बच्चों को कराया भरपेट भोजन

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। एक तरफ जहां लोग अपने बच्चों का जन्मदिन में घरों व रेस्टोरेंटों में मनाकर पाश्चात्य संस्कृति का अनुसरण करने में पीछे नहीं है। वहीं दूसरी ओर NSUI के प्रदेश सचिव अक्षय सैनी ने अपनी मां स्वर्गीय कमला देवी सैनी की पंद्रहवीं पुण्यतिथि गौशाला में गोमाता के संग मनाकर एक अनूठी मिसाल कायम की है। शाहपुरा निवासी अक्षय सैनी ने अपनी मां स्वर्गीय कमला देवी की पंद्रहवीं पुण्यतिथि गोमाता ओर झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले गरीब लोगों के साथ मनाने का निर्णय लिया। वह अपने परिवार के साथ अपनी मां की पुण्यतिथि मनाने खोरी के परमानंद धाम की गौशाला पहुंचे और बड़े चाव से गायों व बछड़ों की सेवा की। उन्हें गुड़, हरा चारा खिलाकर स्वर्गीय मां कमला देवी की पुण्यतिथि मनाई।

इस मौके पर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष नाथूलाल सैनी ने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति को छोड़ अब लोगों को भारतीय परम्परा का निर्वहन करना चाहिए। इससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए।

इस अवसर पर परमानंद धाम के हरिओम दास जी महाराज, विधायक मनीष यादव के निजी सहायक ओमप्रकाश यादव, NSUI जिलाध्यक्ष निहाल पलसानिया, कांग्रेस नगर अध्यक्ष मुकेश खुडानिया, अमरसर सरपंच प्रतिनिधि रवि सैनी, समाज सेवी मंजीत खटाना, धर्मपाल यादव, मनीष शर्मा समेत अनेक वरिष्ठजन मौजूद रहे।

संसदीय कार्य मंत्री ने जोधपुर के लूणी, धवा और केरू ब्लॉक के संस्था प्रधान वाकपीठ में की शिरकत

-विद्यालय एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए नवाचार और प्रतिबद्धता से करें कार्य

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को जोधपुर के लूणी, धवा और केरू ब्लॉक के संस्था प्रधान वाकपीठ में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

लक्ष्यों की प्राप्ति और गुणवत्ता में करें सुधार—

पटेल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता सुधारना हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा संस्था प्रधान विभाग द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा वाकपीठ सिर्फ औपचारिक बैठक न रहे, बल्कि यह अनुभव साझा करने और नवाचार की योजनाओं को लागू करने का मंच बने। जो भी चर्चा यहां हो, उसे विद्यालय स्तर पर अमल में लाया जाए। पटेल ने कहा कि विद्यालय की अवसंरचना, शिक्षण संसाधन, छात्र-छात्राओं के अनुशासन और परिणामों को बेहतर बनाने जैसे विषय वाकपीठ के प्रतिवेदन में प्रमुखता से शामिल किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को चिन्हित कर उन्हें प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान दिलाने के लिए विशेष रणनीति बनाई जाए। संसदीय कार्य मंत्री ने संस्था प्रधानों से आह्वान किया कि वे बिना किसी बाहरी दबाव में आए, केवल विद्यार्थियों के हित में निर्णय लें। विद्यालय परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रेरणादायक बनाए रखें। साथ ही विद्यालय परिसर एवं शौचालयों की नियमित सफाई करवाएं एवं वातावरण को स्वच्छ रखें। उन्होंने मातृ-पितृ पूजन दिवस कार्यक्रम को बेहतर मनाने का आह्वान किया।

अधिकाधिक औचक निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें—

पटेल ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि अधिकाधिक विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की प्रतिनियुक्ति स्वीकार नहीं की जाएगी। इस दौरान उन्होंने संस्था प्रधानों से संवाद कर विद्यालय की समस्याएं सुनी एवं सुझाव मांगे।

रॉयल ऑक्सफोर्ड स्कूल में मौखिक स्वास्थ्य सेमिनार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रॉयल ऑक्सफोर्ड स्कूल में हाल ही में एक मौखिक स्वास्थ्य सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह सेमिनार स्थानीय दंत चिकित्सकों और ओएचपीएफ एनजीओ के सहयोग से आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य बच्चों को दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। सेमिनार में दंत चिकित्सकों ने बच्चों को दांतों की सड़न, मसूड़ों की बीमारियों और सही ब्रश करने की तकनीक के बारे में बताया। एक इंटरैक्टिव सत्र में बच्चों ने ब्रशिंग का अभ्यास किया और मौखिक स्वच्छता के महत्व को समझा। मुफ्त दंत जांच के साथ-साथ टूथब्रश और टूथपेस्ट भी वितरित किए गए। प्रश्नोत्तरी और खेलों ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया। स्कूल डायरेक्टर अशहर सर ने कहा, "ऐसे आयोजन बच्चों को स्वस्थ आदतें सिखाने में मदद करते हैं।" अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना की। सेमिनार ने बच्चों को स्वस्थ मुस्कान के साथ आत्मविश्वास बढ़ाने का संदेश दिया। आह्वान: स्कूल और समुदाय मिलकर ऐसे सेमिनार नियमित रूप से आयोजित करें, ताकि हर बच्चा स्वस्थ दांतों के साथ उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़े।

हरयाळो राजस्थान के तहत जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के अधिकारियों ने किया पौधारोपण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के निदेशक मुहम्मद जुनैद ने बताया कि राज्य में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान हरयाळो राजस्थान (एक पेड़ मां के नाम) के तहत शुक्रवार को विभागीय अधिकारियों के माध्यम से जयपुर जिले की श्रीरामपुरा ग्राम पंचायत फाल्यावास के चारागाह क्षेत्र में वृक्षारोपण/बीजरोपण का कार्य सम्पादित किया गया, जिसके तहत सहजना के 700 पौधे तथा स्थानीय प्रजाति के बीजों का रोपण किया गया। निदेशक ने बताया कि राज्य में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान हरयाळो राजस्थान (एक पेड़ मां के नाम) संचालित किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 के दौरान जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विकास हेतु पंचायती राज विभाग मंत्री मदन दिलावर द्वारा एक करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य आवंटित किया है। इस अवसर पर जुनैद ने बताया कहा कि एक करोड़ पौधे लगाने के निर्देशों के क्रम में विभाग द्वारा सभी जिलों को लक्ष्य आवंटित किए हैं। इनमें प्रत्येक कार्मिक के माध्यम से 450 पौधारोपण का लक्ष्य भी सम्मिलित है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के तहत जयपुर जिले के बस्सी ब्लॉक में स्वीकृत जलग्रहण परियोजना डब्ल्यूडीसी-6/2022-23 के गांव श्रीरामपुरा ग्राम पंचायत फाल्यावास के चारागाह क्षेत्र में पौधारोपण किया गया।

संस्कृति मंत्रालय आयोजित कर रहा है विभिन्न कार्यक्रम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 1947 में देश के विभाजन के कारण करोड़ों लोगों ने अपार कष्ट, सदमा और विस्थापन झेला। इस विभाजन से हुई अपार मानवीय क्षति, वेदना का स्मरण करवाने व नई पीढ़ी विशेषकर विद्यार्थियों को शांति, एकता व सुलह के मूल्यों का लाभ समझाने व जीवन में इन्हें आत्मसात करने के लिए प्रेरित करने हेतु केन्द्र सरकार गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मना रही है।

केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय लोगों को जागरूक करने तथा उस विभीषिका से हुए नुकसान के बारे में समझाने के लिए राष्ट्रीय सेमिनार, प्रदर्शनी, फिल्म स्क्रीनिंग, साइलेन्ट मार्च, विभीषिका से बचे लोगों के साथ संवाद के कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस विभीषिका को दर्शाती प्रदर्शन ऑनलाइन देखने के लिए https://remember-ingpartition.org/(download menu) पर अंग्रेजी व हिन्दी वर्जन में उपलब्ध है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव समीक्षा गौतम ने जिला कारागृह का निरीक्षण कर जांची व्यवस्थाएं

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की सचिव समीक्षा गौतम द्वारा जिला कारागृह सवाई माधोपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सचिव समीक्षा गौतम द्वारा कारागृह में निरूद्ध बंदियों से मुलाकात कर अपने मुकदमों की पैरवी हेतु अधिवक्ता की उपलब्धता के बारे में पूछताछ की गई एवं उनकी समस्याओं को सुना गया। साथ ही शिकायत पेटिका को खोलकर बंदियों द्वारा की जाने वाली शिकायतों के संबंध में जांच की गई। निरीक्षण के दौरान बंदियों द्वारा उनकों प्रदान मूलभूत सुविधाओं के संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं की गई। सचिव समीक्षा गौतम द्वारा उपस्थित बंदियों को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर जेल विजिटिंग लॉयर एवं अधिकार मित्र को अपनी समस्या के बारे में सूचित करने के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। सचिव समीक्षा गौतम ने मौके पर उपस्थित उपाधीक्षक जिला कारागृह महावीर प्रसाद मीना से बंदियों को प्रदान भोजन, पेयजल, चिकित्सकीय सुविधाओं तथा बैरकों एवं कारागृह परिसर की सफाई व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली गई। सचिव समीक्षा गौतम द्वारा उपाधीक्षक जिला कारागृह महावीर प्रसाद मीना को जेल मैनुअल के अनुसार सभी बंदियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। निरीक्षण के दौरान कारागृह में कुल 98 बंदी उपस्थित पाये गए। दौराने निरीक्षण सचिव समीक्षा गौतम द्वारा कारागृह परिसर में स्थित प्रिजन लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण कर जेल विजिटिंग लॉयर एवं जेल विजिटिंग अधिकार मित्र द्वारा जेल में निरूद्ध बंदियों को प्रदान निःशुल्क विधिक सहायता के संबंध में की गई कार्यवाही के संबंध में पूछताछ की गई एवं उपस्थित बंदीजन को बंदियों एवं विधि से संघर्षरत किशोरों के कल्याण की योजना, नालसा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100, नालसा पोर्टल आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। निरीक्षण के दौरान असिस्टेंट लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल आयुष ताजी, डॉक्टर मनोज गर्ग एवं जेल स्टाफकर्मी उपस्थित रहे।

भाजपा की हर घर तिरंगा अभियान एवं तिरंगा यात्रा को लेकर जिला कार्यशाला संपन्न

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर प्रत्येक जिले में होने वाले हर घर तिरंगा अभियान, तिरंगा यात्रा एवं विभाजन की विभीषिका दिवस के आयोजन को लेकर सवाई माधोपुर कार्यकर्ताओं की जिला कार्यशाला आज जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की अध्यक्षता में भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित हुई। जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि जिला कार्यशाला का शुभारंभ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ, कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हरिराम रिणवा, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश जैन, डॉ. भरतलाल मथुरिया, तिरंगा यात्रा कार्यक्रम संयोजक जगदीश अग्रवाल, सहसंयोजक बाबूलाल मीणा, बामनवास के पूर्व प्रधान राजेन्द्र मीणा, गंगापुर सिटी प्रधान मंजू गुर्जर उपस्थित रहे। कार्यशाला में हर घर तिरंगा लगाने एवं तिरंगा यात्रा को भव्य बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई और उसके लिए कार्ययोजना तैयार की गई, अथिति हरिराम रिणवा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि 10-11 अगस्त को प्रत्येक मंडल पर बैठक का आयोजन हो और बैठक में तिरंगा यात्रा की योजना बने एवं बैठक में बूथ अध्यक्ष एवं पार्टी द्वारा निर्धारित बीएलए -2 को आमंत्रित करना है, उन्होंने कहा कि पार्टी में काम की ताकत से कार्यकर्ता आगे बढ़ता है। कार्यशाला को जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने भी संबोधित किया उन्होंने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि 10- 14 अगस्त तक प्रत्येक मंडल में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, इससे पूर्व मंडल की कार्यशाला का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें तिरंगा यात्रा के लिए ध्वज वितरित किए जाएंगे। जिलाध्यक्ष ने पदाधिकारियों को निर्देशित किया है कि तिरंगा यात्रा एवं मां भारती के सम्मान की बात हर कार्यकर्ता एवं आमजन तक पहुंचे एवं प्रत्येक सामाजिक संस्था इस कार्यक्रम से जुड़े इस पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने 9 अगस्त रक्षाबंधन के पर्व को शहर की कच्ची बस्तियों में मनाने का आग्रह किया। तिरंगा यात्रा के कार्यक्रम संयोजक जगदीश अग्रवाल ने कहा कि जिला स्तरीय भव्य तिरंगा यात्रा 14 अगस्त 2025 को जिला मुख्यालय पर आयोजित की जाएगी, यात्रा से पूर्व विभाजन की विभीषिका स्मृति दिवस पर भी गोष्ठी की जाएगी। इस अवसर पर जिला महामंत्री विनोद अटल, जिला उपाध्यक्ष हरिओम गर्ग, सत्यनारायण धाकड़, विजय गुर्जर, लालचंद गौतम, उदय गुर्जर, मीरा सैनी, जिला मंत्री गंगाशंकर गौतम, हरफूल मरमट, जिला कोषाध्यक्ष दीनदयाल अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष रितेश भारद्वाज, कपिल जैन, मेहनाज पटेल, मनीष अग्रवाल, अशोक राज मीणा, श्रीचंद सैनी, महावीर गड़ासिया, शंकर सिंह नरूका,रामराज मीणा, मिथलेश व्यास, सुनीता वैष्णव, पुष्पेंद्र, मोर्चा संयोजक जमनालाल वैष्णव, कार्यालय मंत्री मुकेश शर्मा गंगापुर मंडल प्रभारी महेन्द्र दीक्षित,हरिओम पटेल, आदि उपस्थित रहे। कार्यशाला में मंच संचालन जिला महामंत्री विनोद अटल ने किया।

कालाडेरा पुलिस ने अवैध हथियार के साथ आरोपी को दबोचा

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। कालाडेरा थाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। कालाडेरा थाना प्रभारी बाबूलाल मीणा ने बताया कि उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध हथियार के साथ घूम रहा है।
सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत दबिश दी और आरोपी को तलवार सहित मौके पर पकड़ लिया। तलवार को मौके पर ही जब्त कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान फिरोज खान (26) पुत्र मुबारिक खान निवासी पठानों का मोहल्ला चौमूं के रूप में हुई है। आरोपी के पास से एक अवैध तलवार बरामद की गई है।
यह पूरी कार्रवाई गोविन्दगढ़ सीओ राजेश जांगिड़ के सुपरविजन में की गई। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी के पास हथियार रखने का कोई वैध लाइसेंस नहीं मिला। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी अवैध हथियार का इस्तेमाल किसी वारदात में करने की योजना बना रहा था या नहीं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की पूछताछ जारी है। थाना प्रभारी ने बताया कि अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रधानमंत्री के आह्वान पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान एक जन आंदोलन बना -रामलाल शर्मा

-वन एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत खेल स्टेडियम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने लगाए पौधे

चौमू, (रॉयल पत्रिका)। भाजपा राजस्थान के आह्वान पर चल रहे वन एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान के अंतर्गत चौमूँ के खेल स्टेडियम में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा द्वारा वृक्षारोपण एवं पौधे वितरण किए गए। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों और क्षेत्र के जागरूक नागरिकों के साथ मिलकर विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों पौधों का निःशुल्क वितरण भी किया गया, ताकि हर घर, हर गली और हर मोहल्ले में हरियाली फैल सके। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान आज प्रदेश ही नहीं अपितु पूरे देश में एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है और भाजपा राजस्थान द्वारा वन एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान के अंतर्गत प्रदेश में 10 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष एवं वन एवं पर्यावरण अभियान संयोजक अर्चना कुमावत, जिला जयपुर देहात उत्तर प्रवक्ता अरविंद यादव, जिला मंत्री मुकेश चोपड़ा, जिला आईटी प्रभारी नितिन खंडेलवाल, मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, बजरंग लाल सोनी, रमेश शर्मा, कालूराम जाट, सह संयोजक संदीप कुमावत और धर्मेंद्र बंजारा, गुलाब चंद लांबा, पार्षद बाबूलाल यादव, राहुल शर्मा, संदीप शर्मा, महेश सेरावत, राजेंद्र गुलिया, रफीक नागौरी, मुकेश जांगिड, आलोक जांगिड, अर्पित सैनी, मदन गोरा, चेतन सैनी, बलदेव टांक, मोहन जलूथरिया, रामावतार कुलदीप, मनोज बागोरिया, अर्जुन सोकरिया, धर्मेंद्र कुमावत, अमित सैनी सहित कई भाजपा कार्यकर्ता एवं युवा उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की बजट घोषणा उतरी धरातल पर कोटा में युवा साथी केंद्र का शुभारंभ

-विकसित भारत की दिशा में युवा सशक्तिकरण की नई पहल- नीरज के. पवन

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा की गई बजट घोषणा के अंतर्गत संभाग स्तर पर युवा साथी केन्द्रों की स्थापना की जा रही है। इसी क्रम में कोटा में युवा साथी केन्द्र का उद्घाटन शुक्रवार को राजकीय वाणिज्य महाविद्यालय, कोटा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान युवा मामले एवं खेल विभाग के सचिव नीरज के. पवन ने किया।
उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवा मामले एवं खेल विभाग के सचिव नीरज के. पवन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लिया गया विकसित भारत का संकल्प और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आत्मनिर्भर युवा का सपना इसी प्रकार के केन्द्रों से साकार होगा। उन्होंने कहा कि यह केन्द्र युवाओं को न केवल नौकरी की दिशा में, बल्कि स्वयं का रोजगार प्रारंभ कर दूसरों को भी नौकरी देने के लिए तैयार करेगा। साथ ही, इन केन्द्रों पर मानसिक तनाव से जूझ रहे युवाओं को भी विशेषज्ञों द्वारा परामर्श दिया जाएगा।
उन्होंने कहा कि यह केन्द्र केवल एक सुविधा केन्द्र नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को साकार करने का माध्यम बनेगा। उन्होंने इसे विकसित भारत के संकल्प की दिशा में उठाया गया ठोस कदम बताया।
इस केन्द्र का उद्देश्य युवाओं को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, स्व-रोजगार और सरकारी योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से युवाओं को रोजगार, शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, स्वरोजगार और कौशल विकास से जुड़ी संपूर्ण सहायता निशुल्क प्रदान की जाएगी।
यह केन्द्र न केवल युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर मार्गदर्शन और व्यावसायिक योजनाओं की जानकारी देगा, बल्कि उन्हें सरकार की सभी योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया में भी मार्गदर्शन करेगा। आवेदन पत्र भरवाने से लेकर आवश्यक दस्तावेज़ों और तकनीकी सहायता तक, हर स्तर पर मदद दी जाएगी।

पाँच प्रमुख स्तंभों पर आधारित कार्य प्रणाली

युवा साथी केन्द्र की कार्ययोजना पाँच प्रमुख स्तंभों पर आधारित है- सशक्तिकरण, शिक्षा, मनोरंजन, उद्यमिता और रोजगार। केन्द्र पर युवाओं को कौशल विकास, आर्थिक उन्नयन, स्वरोजगार के अवसर, स्व-विकास, मनोवैज्ञानिक परामर्श, और शासन की योजनाओं का व्यावहारिक लाभ दिलाने की प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा।

योजनाओं की जानकारी और आवेदन सुविधा एक स्थान पर

युवा साथी केन्द्र ऐसे युवाओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी रहेगा जो केन्द्र या राज्य सरकार की योजनाओं के अंतर्गत ऋण, उद्यम प्रोत्साहन, प्रारंभिक वित्त सहायता, कौशल प्रशिक्षण, स्टार्टअप आदि में रुचि रखते हैं। पात्र युवा ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं या सीधे केंद्र पर आकर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। प्रदेश एवं कोटा संभाग के युवाओं को यह सेवाएं निशुल्क प्रदान की जाएंगी।

मानसिक स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान

यह केन्द्र मानसिक तनाव, अवसाद अथवा अन्य मनोवैज्ञानिक चुनौतियों से जूझ रहे युवाओं को भी विशेषज्ञ मनोचिकित्सकों से मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगा। यह पहल युवाओं को समग्र रूप से सक्षम बनाने की दिशा में एक अभिनव प्रयोग है।
उद्घाटन समारोह में कॉलेज शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक विजय पंचोली, राजकीय वाणिज्य महाविद्यालय के प्राचार्य हितेन्द्र कुमार गुप्ता, युवा शक्ति केंद्र की टीम से प्रमुख अधिकारी, ओएमटीसी अरुण कुमार यादव, ईडी इश्तियाक जाफरी, अभियंता रतन सिंह, केंद्र समन्वयक आशीष अजमेरा, जिला खेल अधिकारी वाई.बी सिंह, भारत स्काउट एवं गाइड से यज्ञदत्त हाड़ा, विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्रा, शिक्षक, बैंक प्रतिनिधि एवं अन्य उपस्थित रहे।

डोला का बास में विश्व आदिवासी दिवस बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाएगा

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत डोला का बास के निवासीयो ने शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाने का निर्णय वह सर्व समिति से बिरसा मुंडा डॉ. भीमराव अंबेडकर वाचनालय पर प्रातः काल 9:00 बजे मनाने का निर्णय लिया गया है। इस कार्यक्रम में सभी महानुभावों आदिवासी वेशभुषा में रहेंगे, और सर्वप्रथम बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा, इसके साथ ही सभी महानुभावों का आदिवासी रीति-रिवाज से सम्मान किया जाएगा, इसी कार्यक्रम में हर वर्ष आदिवासी दिवस पर बौद्ध वितरण का कार्यक्रम भी किया जाएगा। ओर इससे पहले करीबन 2000 पौधे वितरण किए जा चुके हैं इसी प्रकार इस वर्ष विभिन्न प्रकार के 500 पौधे वितरित करने का सर्वोच्च समिति से निर्णय लिया गया है। विश्व आदिवासी दिवस बड़े काम धाम के साथ मनाया जाएगा जल, जंगल, जमीन, संस्कृति, पर्यावरण, संविधान, नशा मुक्ति, अंधविश्वास, शिक्षा, स्वास्थ्य, अपने अधिकार के प्रति जागृत करने का प्रयास भी किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सभी आसपास के समस्त ग्रामवासी ग्राम पंचायत डोला का बास इमो आसपास की ग्राम जनता उपस्थिति रहेगी।

पंचायतीराज जिला उपाध्यक्ष बने चौधरी दुर्गाराम

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सी.वी. यादव के निर्देशानुसार संभाग प्रभारी बलदेवराम बेनीवाल की अनुशंषा पर पाली जिला अध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल ने राजीव गांधी पंचायतीराज पाली जिला उपाध्यक्ष पद पर दुर्गाराम चौधरी राजकियावास खुर्द को नियुक्त किया है।
जिलाध्यक्ष जागरवाल ने बताया कि दुर्गाराम चौधरी एक निष्ठावान, कर्मठ, अनुभवी कार्यकर्ता है। पूरे जीवन काँग्रेस में सिपाही की तरह कार्य करते आ रहे है। इनकी विधानसभा, लोकसभा, पंचायतीराज के चुनाव में हमेशा अग्रणी भूमिका रही है। राजकियावास खुर्द को सोजत मारवाड़ ब्लॉक में पंचायतीराज संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य सौंपा। दुर्गाराम चौधरी राजकियावास खुर्द के जिला उपाध्यक्ष बनने पर सोजत-मारवाड़ ब्लॉक अध्यक्ष वंशीधर वैष्णव एवं मोहनलाल दादलिया, विजय पूनिया, विरेन्द्र चौधरी, मांगीलाल श्योल दूदौड़, शंकरलाल बामणिया सोजत, दीपक शर्मा मारवाड़, पोपट भाई पटेल, भाकरराम देवासी सहित कई कांग्रेस पंचायतीराज पदाधिकारियों ने खुशी जाहिर करते हुए प्रदेशाध्यक्ष सी.वी. यादव, पाली जिला प्रभारी श्रीमती कीर्ति कच्छवाह, जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल का आभार प्रकट किया।

डेढ साल बनाम पांच साल का नारा देने वाली भाजपा सरकार हर मोर्चो पर विफल- मंडेलिया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित आथुणा मोहल्ला व वन विहार कॉलोनी में आमजन से रूबरू कार्यक्रम के दौरान राजस्थान प्रदेष कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया से मिले युवाओं ने किया स्वागत और रखी अपनी मांग। चूरू जिला श्रम विभाग से संबंधित पिछले दो वर्ष से कलेम मृत्यू सहायता योजना के अन्तर्गत 500 के करीब मृत्यू कलेम की एफडीआर वंचित, छात्रवृति लगभग 1500 पेंडिग, श्रम कार्ड 350 के करीब पेडिंग तथा 400 के करीब भाजपा सरकार के एक वर्ष पुरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में घोषणा के बावजुद डीबीडी खाते में भुगतान नही हुआ। इसे लेकर राजस्थान प्रदेष कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कहा कि डेड साल बनाम पांच साल का नारा देने वाली भाजपा सरकार युवाओं से रोजगार छिन रही है। कांग्रेस की पुर्ववर्ति सरकार की योजनाओं को किसी भी तरह से जनता को लाभ से वंचित कर रही है। उन्होने कहा कि श्रम विभाग से जिले ही नही पुरे प्रदेश में युवाओं को बेरोजगार किया जा रहा है। एनजीओ के माध्यम से अपने चहितों को लाने के लिए कई वर्षो से श्रम विभाग में कार्यरत कॉन्ट्रेट पर लगे हुए युवाओं को एक्सटेंषन नही दिया जा रहा है। इसके कारण संविदाकर्मी बेरोजगार हो रहें है। इससे पहले भी संविदा पर लगे युवाओं को भाजपा सरकार आते ही योजगर मुक्त कर दिया गया।इस दौरान पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किषोर धान्धू, पंचायत समिति प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया, किसान नेता आदूराम न्यौल, जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान, प्यारेलाल दानोदिया, सीताराम खटीक, तोफिक खान, तारिख नागौरी, शाहरूख खान, अजीज दिलावरखानी, संजय भाटी, समीउल्लाह, अली मो. भाटी, योगेष ढाका, हेमन्त सिहाग, अनीस खान, आबिद खान जाबासरिया,आरिफ रिसालदार, एडवोकेट अनीस खान सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजुद रहें।

सामदखानी का जन्म दिन एवं रक्षाबंधन स्कूल प्रांगण में मनाया

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर इंदिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में सामाजिक कार्यकर्ता नौशाद खान सामदखानी का जन्मदिन स्कूल स्टाफ द्वारा पेड़ पौधे लगाकर मनाया गया स्कूल के निदेशक अख्तर खान रूकनखानी ने कहा कि अपनी समाज सेवा एवं सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका रही है अपने जीवन में नौशाद खान ने सामाजिक मुद्दे एवं समाज को एकजुट करने के लिए बहुत ही कार्य किए हैं नौशाद खान ने कहा कि सामाजिक जागरूकता समाज में बहुत जरूरी है और इसके साथ-साथ वातावरण को शुद्ध रखना पर्यावरण को जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी है इसी अवसर पर विद्यालय परिवार के सभी छात्रों ने एवं विद्यालय स्टाफ ने रक्षाबंधन का भी कार्यक्रम इसी अवसर पर किया जिसमें छात्राओं ने छात्रों को भाई स्वरूप रक्षासूत्र बांधकर जीवन में एकजुट रहने का संकल्प किया इस अवसर पर सभी शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं ने विद्यालय परिसर में सभी आगंतुओं का अभिवादन किया इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका सबीना बानो, शिक्षा अनुदेशक असलम खान, शिक्षा अनुदेशक जान मोहम्मद, शिक्षा अनुदेशिका अल्लादेई आदि उपस्थित रहे।

वोट राखी बांध कर दिया जागरूकता का संदेश

-विद्यालय में मनाया स्वीप रक्षाबंधन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में शहर के सदर बाजार स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पुराना थाना में स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत रक्षाबंधन पर्व मनाया गया, जिसमें ईएलसी सदस्यों ने मतदाता जागरूकता के स्लोगन वाली आकर्षक राखी बांधकर मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। स्वीप कार्यक्रम प्रभारी अमित भार्गव ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम अंतर्गत बीएलओ प्रत्येक मतदाता के घर जाकर उन्हें गणना फॉर्म देंगे तथा आयु वर्ग की श्रेणी के अनुसार आवश्यक दस्तावेज एवं रंगीन फ़ोटो सहित पुनः प्राप्त करेंगे, इसके द्वारा मतदाता का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है, जिससे मृत,दोहरे नाम या स्थानांतरित हो गए मतदाताओं के नाम हटाकर सूची को अद्यतन किया जाएगा। प्रधानाचार्य सुनीता अग्रवाल ने विद्यार्थियों से मतदाता सूची में अपना पंजीयन करवाने एवं विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम मेंअपने परिचित जनों से प्रचार प्रसार करने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान बीएलओ सहित स्टाफ सदस्य, विद्यार्थी एवं गणमान्य जन मौजूद रहे ।

हर घर तिरंगा अभियान के लिए रानी में कार्यशाला आयोजित हुई

रानी (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी जिला हर घर तिरंगा अभियान व विभाजन विभिषिका पर कार्यशाला 08 अगस्त, शुक्रवार को आई जी भवन रानी मे आयोजित हुई। राजस्थान सरकार के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत व प्रदेश सगढन मंत्री मिथिलेश गौतम मुख्य वक्ता के रूप मे पधारे जिलाध्यक्ष सुनिल भंडारी की अध्यक्षता मे हर घर तिरंगा अभियान व विभाजन विभीषिका कार्यक्रम की कार्यशाला मे सम्बोधित करते हुए जोराराम कुमावत ने कहा की हमे प्रत्येक घर तक पहुंच कर हर घर मे तिरंगा पहराये 10 अगस्त से 14 अगस्त यह कार्यक्रम पुरे जिले प्रत्येक मंडल व बुथ पर कार्यक्रम आयोजित होगे। हर घर तक पहुंचकर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मजबुत इच्छा शक्ति व आपरेशन सिन्दर की सफलता के बाद मनाया जा रहा है। प्रदेश मंत्री मिथिलेश गौतम ने कहा कि विभाजन विभिषिका पर चौपाल का आयोजन करे मौन जलुस निकाले विभाजन से प्रभावित लोगो से सम्पर्क कर व प्रदर्शनी लगा कर आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करे। कार्यक्रम को प्रदेश सहसंयोजक महेंद्र बोहरा ने भी कार्यशाला को संबोधित किया। जिला अध्यक्ष सुनिल भंडारी ने सबका आभार व्यक्त किया कार्यक्रम संयोजक दिग्विजयसिंह राठोर, सहसंयोजक तिलोक चौधरी व सजय बोहरा मंडल अध्यक्ष हरिश गहलोत इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष नारायण कुमावत, मोहनजाट, नरपतसिंह, राजपुरोहित, प्रधान शयाम कवर, जयवर्धन रांकावत, लसमी सिरवी ,सुमित्रा राजपुरोहित, भरत राठोड, डालचद मेवाड़ा, प्रताप सिंह बिठीया, राकेश गहलोत, मनोहर कवर, हेमंत चौधरी, मुकेश बोहरा, जुगल किशोर, निकुंभ देवेंद्र सिधावत, देविलाल मेघवाल, मुकेश नाबरिया सहित उपस्थित रहे। इस अवसर पर भारतीय जनता के सभी सम्मानित कार्यकर्तागण, मंडल, अध्यक्ष व सयोंजक व सहसंयोजक मंडल, महामंत्री, नगर पालिका के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, प्रधान, उप प्रधान सहित उपस्थित रहे।

तिरंगा मेला और कॉन्सर्ट के साथ आकांक्षा हाट का समापन

-हर घर तिरंगा अभियान के तहत विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । नीति आयोग की वोकल फॉर लोकल पहल के अंतर्गत जिला मुख्यालय पर आयोजित आकांक्षा हाट का समापन समारोह शुक्रवार को भव्य रूप से आयोजित हुआ। समारोह में 'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई, जिसमें स्थानीय कलाकारों और समूहों की सहभागिता रही।

कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में नगर परिषद के अधिशासी अभियंता भुवनेश मीणा, रसद अधिकारी अनिल चौधरी, एडीईओ हरिमोहन गालव के अतिथि रहे। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय स्टेशन रोड व राबाउमावि पुराना थाना की छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति गीतों पर सामुहिक नृत्य की पेशकश दी। वहीं एकलव्य मॉडल स्कूल हनोतिया के छात्रों ने आदिवासी नृत्य की प्रस्तुति दी। महात्मा गांधी स्कूल स्टेशन रोड के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। एनआईसी के उपनिदेशक मनीष शर्मा ने आकांक्षा हाट का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन सुनील शर्मा ने किया।

आकांक्षा हाट में कुल 22 स्टॉल्स के माध्यम से स्थानीय महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय किया गया। समारोह में सर्वाधिक बिक्री करने वाले समूहों को सम्मनित किया गया। हाट में प्रमुख प्रतिभागी संस्थानों में राजीविका, वन धन विकास केंद्र, पीवीटीजी, मंजरी फाउंडेशन, निरोगधाम किसान उत्पादक संगठन (आंवला उत्पाद), मांगरोल खादी हैंडलूम, डब्ल्यूओटीआर संस्था, रीच रिटर्न किसान उत्पादक संगठन सहित विभिन्न स्व-सहायता समूह शामिल हुए। हाट में प्रदर्शित उत्पादों में मसाले, हर्बल साबुन, आंवला से बनी सामग्रियां, जैविक उत्पाद, पारंपरिक परिधान, हस्तनिर्मित राखियां, पापड़, अचार, सजावटी सामान, मिट्टी से बनी कलात्मक वस्तुएं, खिलौने, चूड़ियाँ आदि प्रमुख रहे। इन उत्पादों को पूरी तरह स्थानीय संसाधनों से महिलाओं ने स्वयं तैयार किया गया। राजीविका समूह की महिलाओं ने साझा किया कि कैसे समूह से जुड़ने के बाद उन्हें उत्पाद निर्माण एवं विपणन का प्रशिक्षण मिला और अब वे आत्मनिर्भर बनने की राह पर अग्रसर हैं। ऐसे आयोजनों से उन्हें सशक्त मंच, ग्राहक से सीधा संवाद और बिक्री की नई संभावनाएं प्राप्त हुई हैं। आकांक्षा हाट न केवल महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ रहा है, बल्कि 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को ज़मीनी स्तर पर साकार कर रहा है। यह आयोजन जिले में महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता और सामाजिक विकास की दिशा में एक प्रेरणास्पद उदाहरण बनकर उभरा है।

बूंदी के पीएम स्कूल में रूडिप का अभिनव प्रयास

-विद्यार्थियों को जल संरक्षण के प्रति किया जागरूक

बूंदी, (रॉयल पत्रिका)। "जल ही जीवन है" - यह पंक्ति हम सबने सुनी है, लेकिन पानी की हर बूँद का मोल क्या है, यह बूंदी के स्कूली विद्यार्थियों ने एक अनूठे कार्यक्रम में सीखा। पीएम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, खोजा गेट में राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना (रूडिप) द्वारा आयोजित जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने न केवल फिल्म देखकर पानी बचाने के महत्व को समझा, बल्कि खुद 'जल जासूस' बनकर स्कूल में वॉटर ऑडिट भी किया। रूडिप की अधिशाषी अभियंता सोनम शर्मा के निर्देशन में हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य भावी पीढ़ी को जल संकट के प्रति सचेत करना था। सहायक सामाजिक विकास विशेषज्ञ सचिन मुदगल ने छात्रों से संवाद करते हुए कहा, "हम यह भूल जाते हैं कि पृथ्वी पर उपयोग करने योग्य पानी केवल एक प्रतिशत है। यदि

हमने आज ध्यान नहीं दिया, तो कल हमारे लिए जल संकट एक विकराल समस्या बन जाएगा।" उन्होंने बताया कि शहर में जल्द ही शुरू होने वाली नई जल प्रदाय योजना से हर घर को मीटर युक्त कनेक्शन के साथ पर्याप्त दबाव से पानी मिलेगा, लेकिन इस सुविधा का सम्मान करना और पानी व्यर्थ न बहाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

विद्यार्थियों ने किया वॉटर ऑडिट, साझा किए अनुभव

कार्यक्रम का सबसे आकर्षक हिस्सा था विद्यार्थियों द्वारा किया गया जल अंकेक्षण। विद्यालय के 10 छात्र-छात्राओं ने टीम बनाकर स्कूल के पीने के पानी के नलों और शौचालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने यह जांचा कि कहीं कोई नल लीक तो नहीं हो रहा है या बेवजह पानी तो नहीं बह रहा है। इसके बाद इन विद्यार्थियों ने अपने अनुभव अपने सहपाठियों के साथ साझा किए, जिससे अन्य विद्यार्थियों को भी व्यावहारिक रूप से जल संरक्षण की सीख मिली। इस दौरान सोशल सैफगार्ड नरेश महावर ने छात्रों को दैनिक जीवन में पानी बचाने के छोटे-छोटे लेकिन प्रभावी उपाय भी बताएं।

भाजपा जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

चूरू (रॉयल पत्रिका)। भाजपा जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा ने जयपुर प्रवास के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की मुख्यमंत्री आवास में हुई इस मुलाकात में जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जिले में हो रही गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया वही उनसे आगामी कार्य योजना के बारे में मार्गदर्शन प्राप्त किया। जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को विश्वास दिलाते हुए कहा की सरकार की लोक कल्याणकारी और जनकल्याणकारी नीतियों को पार्टी के कार्यकर्ता आम जनता तक पहुंचा रहे हैं उन्होंने कहा कि आगामी स्थानीय निकाय और पंचायत के चुनाव में प्रदेश सरकार के लोकहित के कार्यों के कारण जिले में भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ विजय प्राप्त करेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिलास्तर पर किए जा रहे पार्टी के कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा को आगामी चुनाव के लिए तैयार रहने के लिए कहा ।

पुलिसकर्मी, ऑटो चालक व आमजन के हाथों में बांधा रक्षा सूत्र- भाजपा महिला टोली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर के निर्देशानुसार आयोजित रक्षाबंधन पर्व जिला भाजपा महिला टोली द्वारा नगर परिषद सभागार, मांउट टाउन थाना परिसर, कोतवाली थाना परिसर, हम्मीर सर्किल ट्रैफिक पुलिस कर्मियों, आमजन, राहगीर, ऑटो चालक अन्य आमजन को रक्षा का सूत्र बांधा भाई लोगों का भरपूर प्यार स्नेह, सम्मान मिला और शहर के आम ओर खास लोगों की तरफ से इस आयोजन को सराहा गया। इस मौके पर रक्षा बंधन पर्व जिला संयोजक बाबू लाल मीणा (जिला महामंत्री), सावित्री शर्मा जिला रक्षाबंधन पर्व सह संयोजक, मेहनाज पटेल जिला सोशल मीडिया सहसंयोजक, संतोष, मीरा मीना, सुमन जी, सुधा जैन आदि मौजूद रही सभी के द्वारा रक्षा बंधन पर्व हर्षोल्लास से

मनाया गया व शुभकामनाएं दी ।

भागसर में दो दिवसीय आईपीएम कार्यक्रम का आयोजन

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के टिड्डी-सह-एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केन्द्र श्रीगंगानगर द्वारा ग्राम पंचायत भागसर में बुधवार एवं बृहस्पतिवार को दो दिवसीय आईपीएम ऑरिएण्टेशन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें किसानों ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ केन्द्राधीक्षक एवं उप निदेशक डॉ. आरके शर्मा एवं सहायक निदेशक प्रकाश चन्द्रा द्वारा किया गया। डॉ. शर्मा द्वारा आईपीएम तकनीक क्या है एवं इसके घटक तथा खरीफ की फसलों में खरपतवार प्रबंधन की विस्वार पूर्वक जानकारी दी गई। इसमें खेत की तैयारी से लेकर कटाई तक आईपीएम विधियों के उपयोग पर चर्चा की, जिसमें व्यवहारिक, यांत्रिक या भौतिक, जैविक तथा रासायनिक तरीकों के बारे में बताया। डॉ. शर्मा ने बताया कि कीटनाशकों का

लगातार असुरक्षित एवं अंधाधुंध उपयोग होने से फसलों में बेवजह जहर की मात्रा बढ़ रही है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक हानिकारक साबित होती जा रही है। पिछले कुछ समय से खाद्यान फसलों जैसे-दालों, फलों, सब्जियों आदि के उत्पाद में एमआरएल (अधिकतम अवशेष स्तर) की मात्रा भी बढ़ती जा रही है। इनमें से भी विशेषतय मूंग की फसल में एमआरएल की मात्रा ज्यादा पायी जा रही है। इससे बचने के लिए जैविक कीटनाशकों का अधिक उपयोग एवं रासायनिक कीटनाशकों को अंतिम उपचार के रूप में ही उपयोग करने की सलाह किसानों को दी। प्रकाश चन्द्रा, सहायक निदेशक ने किसानों को खरीफ की फसलों में लगने वाले कीट एवं उनके नियंत्रण के बारे में किसानों को अवगत करवाया। चन्द्रा ने बताया कि किसानों को रासायनिक कीटनाशक की बजाय जैविक कीटनाशकों जैसे नीम का तेल, हरी मिर्च एवं लहसुन से बने घरेलू कीटनाशकों को विकल्प के तौर पर उपयोग करें ताकि पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके एवं उपज भी अच्छी ली जा सके। जैविक कीटनाशक, मित्र कीटों को बचाने में भी महत्वपूर्ण होते है, जो रासायनिक कीटनाशकों की खपत को कम करने में सहायक होते है।

मुफ्ती अख्तर हुसैन कादरी का पच्चीसवां उर्स सम्पन्न

कोटा (रॉयल पत्रिका)। विज्ञान नगर में स्थित मदरसा दारूल उलूम रजा-ए-मुस्तफा के संस्थापक मुफ्ती अख़्तर हुसैन कादरी का सालाना पच्चीसवां उर्स मुफ्ती-ए-मिल्लत का आयोजन बड़े ही अकीदत के साथ उर्दू कॉलेज में किया गया। उर्स की अध्यक्षता मुफ्ती शमीम अशरफ ने करते हुए कहा कि समाज को तरक्की देने के लिए शिक्षा का चिराग घर घर जलाना ज़रूरी है, इस अवसर पर मौलाना मुबारक हुसैन मिस्बाही, मुफ्ती तबारक रजा रहमानी, कारी रियाज़ अहमद तेगी, शायर तरन्नुम अय्यूब, रफीक शोपूरी, ने जलसा को खिताब किया, जलसा में हाड़ौती भर सैकड़ों आलिम, मुफ्ती, हाफिज, कारी, मस्जिद के इमाम, दरगाह के सूफी, काज़ी, मुफ्ती-ए-मिल्लत के शागिर्दो ने शिरकत कर खिराजे अकीदत पेश किया। सलातो सलाम पढ़ कर मुल्क में अमन सुकून सलामती की दुआ की गई।

जिला स्तरीय संयुक्त सचिव एवं प्रभारी कमिश्नर बैठक संपन्न

-वार्षिक प्रतिवेदन गतिविधियां व आवंटित लक्ष्य पर हुई चर्चा

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय अजमेर के तत्वाधान में जिला स्तरीय सचिव संयुक्त सचिव एवं प्रभारी कमिश्नर बैठक पुष्कर घाटी पुष्कर घाटी अजमेर पर संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत स्काउट गाइड प्रार्थना से हुई बैठक में अजमेर एवं ब्यावर के सचिव संयुक्त सचिव एवं प्रभारी कमिश्नर सम्मिलित हुए। सभी संभागीयों का शाब्दिक स्वागत एवं अभिनंदन जिला सचिव सतनारायण सत्यनारायण वैष्णव द्वारा किया गया। जिला सचिव सत्यनारायण वैष्णव ने बताया कि सी ओ गाइड अजमेर अनिता तिवाड़ी द्वारा वर्तमान सत्र 2025-26 के आवंटित लक्ष्य जिसमें संख्यात्मक, गुणात्मक एवं जिला राज्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली सहभागिता के बारे में विस्तार से चर्चा की। आगामी जिला अधिवेशन जो माहेश्वरी पब्लिक स्कूल वैशाली नगर में 22 अगस्त को आयोजित होगा के बारे में बताया साथ ही आगामी निष्क्रिय ग्रुपों को सक्रिय करने के लिए नियोजित अभियान

चलाने के लिए जानकारी दी इसके बाद सितंबर माह में होने वाले स्काउटर गाइडर बेसिक कोर्स के बारे मैं लक्ष्यानुसार अनुसार सहभागिता के लिए जोर दिया। सी ओ स्काउट नरेन्द्र खोरवाल ने वार्षिक प्रतिवेदन सत्र 2024-25 का पठन व उपलब्धियों के बारे में प्रोजेक्टर के माध्यम से बताया साथ ही वर्तमान सत्र के वार्षिक कलेंडर पठन कर चर्चा की। इसके पश्चात स्थानीय संघ द्वारा ली जाने वाली कोटा मनी जो बकाया चल रही है उसकी वसूली पर जोर डाला। जिला सचिव सत्यनारायण वैष्णव ने यह कहा कि माह फरवरी 2025 में आयोजित डायमंड जुबली जंबूरी त्रिचि तमिलनाडु में राज्य मुख्यालय जयपुर द्वारा दी गई प्रतियोगिता में अजमेर का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा और राजस्थान ने सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर चीफ नेशनल कमिश्नर शील्ड पर अपना कब्जा किया इसी प्रकार आगामी नवंबर माह में उन्नीसवीं राष्ट्रीय जंबूरी जो डायमंड जुबली के समापन पर लखनऊ उत्तर प्रदेश में आयोजित की जा रही है इसमें भी राज्य मुख्यालय जयपुर द्वारा अजमेर को जिन प्रतियोगिताओं के जिम्मेदारी दी जाएगी उस में अजमेर पूर्व की भांति उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगा यह विश्वास दिलाया। बैठक में आए हुए स्थानीय संघ सचिवों ने संक्षेप में सत्र 2024-25 स्थानीय संघवार अपने उपलब्धियां एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

शहर की विभिन्न सड़कों के रखरखाव को लेकर जिला कलेक्टर ने ली बैठक

-15 अगस्त के तत्काल बाद श्रीगंगानगर चौराहे पर सीसी सड़क बनाने का कार्य करें शुरू

बीकानेर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने शहर की विभिन्न सड़कों के रखरखाव को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पीडब्ल्यूडी, बीडीए और नगर निगम के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में जिला कलेक्टर ने कहा कि शहर में ज्यादातर सड़क जो टूट चुकी हैं वे डीएलपी (डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड) सड़क हैं। लिहाजा संबंधित ठेका एजेंसी के जरिए उन्हें जल्द ठीक करवाएं। ताकि आमजन का आवागमन सुगम हो सके। जिला कलेक्टर ने श्रीगंगानगर सर्किल पर सीसी रोड़ बनाने का कार्य स्वतंत्रता दिवस के तत्काल बाद शुरू करने के निर्देश पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को दिए।इसको लेकर पीडब्ल्यूडी और बीडीए के अधिकारियों को ज्याइंट विजिट के निर्देश दिए। ताकि चौराहे पर वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर इत्यादि सही जगह पर बनाया जा सके। जिला कलेक्टर ने शहर की विभिन्न क्षतिग्रस्त सड़कों

को लेकर संबंधित एजेंसी को उन्हें जल्द रिपेयर करने और गड्ढे भरने के निर्देश दिए। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने बताया कि बारिश से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को एसडीआरएफ योजना अंतर्गत लेकर जल्द ठीक किया जाएगा। बैठक में बीडीए, नगर निगम और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने खुद की विभिन्न सड़कों के बारे में वस्तुस्थिति से अवगत करवाया। साथ ही उनके रिपेयर करने को लेकर विस्तृत जानकारी दी।

सफल रहा है कोल्ड मिक्स पैच

पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने जिला कलेक्टर को बताया कि पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर बारिश के दौरान ही पहली बार कोल्ड मिक्स पैच किए जा रहे हैं जो सफल है। शहर के लगभग सभी मुख्य सर्किल पर कोल्ड मिक्स पैच का कार्य किया जा रहा है। साथ ही मुख्य सड़कों पर भी गड्ढों को भरा जा रहा है। बैठक में नगर निगम कमिश्नर मयंक मनीष, बीडीए कमिश्नर अपर्णा गुप्ता, बीडीए के अतिरिक्त मुख्य अभियंता ललित कुमार ओझा, पीडब्ल्यूडी एसई ओ.पी. मंदर, अधिशाषी अभियंता विमल गहलोत, सहायक अभियंता विक्रम बिश्नोई समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पर भड़काऊ टिप्पणी करने वाला आरोपी चौमूं में गिरफ्तार

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर गलत टिप्पणी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि आरोपी शोयब खान निवासी पटवार भवन के पास चौमूं को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पर आरोप है कि उसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक और भड़काऊ टिप्पणी पोस्ट की थी, जिससे दो पक्षों में झगड़ा होने की संभावना बन गई थी। सूचना मिलते ही चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकी निगरानी और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी का पता लगाया। उसे उसके घर के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि उसने यह टिप्पणी स्वयं ने की थी या किसी के उकसावे पर की। पुलिस साइबर सेल की मदद से आरोपी के मोबाइल और सोशल मीडिया अकाउंट की जांच कर रही है। चौमूं थाना प्रभारी ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से उपयोग करें और किसी भी तरह की अफवाह या आपत्तिजनक पोस्ट शेयर करने से बचें।

स्वाधीनता दिवस पर 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता' अभियान को लेकर मुख्य सचिव ने की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

-जिलेभर में होंगे जनभागीदारी से विविध आयोजन

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्रता दिवस की 78वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता' अभियान के तहत आगामी 15 अगस्त तक जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में मंगलवार को मुख्य सचिव सुधांश पंत ने प्रदेश के समस्त जिला कलक्टरों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान के सभी कार्यक्रमों का आयोजन जनभागीदारी से किया जाए ताकि राष्ट्रीय पर्व को उत्साहपूर्वक एवं गरिमामय तरीके से मनाया जा सके। वीसी उपरांत जिला कलक्टर आलोक रंजन ने डीओआईटी कक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में चल रहे एवं प्रस्तावित कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को आवश्यक

निर्देश जारी करते हुए कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु जिम्मेदारियाँ सौंपीं।

जिला कलक्टर द्वारा निर्देशित प्रमुख कार्यक्रम

स्कूलों की दीवारों पर तिरंगे की चित्रकारी, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर तिरंगा रैली, तिरंगा राखी वर्कशॉप, तिरंगा मेला एवं तिरंगा रोशनी कार्यक्रम, शहर की प्रमुख जगहों पर तिरंगा रंगोली, राजकीय कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों की सजावट, आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं विद्यालयों में तिरंगा थीम पर पेंटिंग प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी। रंजन ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन आयोजनों में जनप्रतिनिधियों, युवाओं, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को सक्रिय रूप से जोड़ा जाए ताकि यह अभियान एक जन आंदोलन का रूप ले सके। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराकर देशभक्ति का संदेश दें।

तिरंगा वॉलिंटियर्स रजिस्ट्रेशन

बैठक में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगा वालिंटियर्स के पंजीकरण के लिए भी निर्देश दिए गए, ताकि अधिकाधिक युवा राष्ट्रप्रेम की भावना से प्रेरित होकर अभियान में सहभागिता करें।

सायला में वित्तीय समावेशन जन सुरक्षा शिविर में हुआ आयोजन

जालोर, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय रिजर्व बैंक जयपुर के दिशा-निर्देशानुसार अग्रणी जिला प्रबंधक, जालोर (एस.बी.आई बैंक) के निर्देशन में एसबीआई शाखा-सायला, आरजीबी शाखा-सायला एवं आईसीआईसीआई बैंक शाखा-ओटवाला के संयुक्त तत्वावधान में सायला ब्लॉक के ग्राम पंचायत सायला में वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा संतृप्ति अभियान के तहत वित्तीय समावेशन जन सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अग्रणी बैंक प्रबंधक रमेश कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना,

प्रधानमंत्री जन-धन योजना, अटल पेंशन योजना आदि के बारे में ग्रामीणों को जानकारी देकर इनका अधिक से अधिक लाभ लेने की बात कही। उन्होंने साइबर फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी के शिकार होने से बचने के तरीके पर समझ विकसित की। भारत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं वित्तीय साक्षरता परामर्शदाता भगवती प्रसाद प्रजापति व वित्तीय साक्षरता केन्द्र के मैनेजर नेमाराम ने जन सुरक्षा अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर एसबीआई के शाखा प्रबंधक मोतीलाल गहलोत, आरजीबी के सीएसपी हड़माताराम, विक्रम सिंह ने शिविर में ग्रामीणों को बैंकिंग योजनाओं के प्रति जागरूक किया।

नौताड़ा भोपत में आयोजित रात्रि चौपाल में जिला कलक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

बूंदी, (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण जनों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से बुधवार को तालेड़ा उपखंड के नौताड़ा भोपत में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में जिला कलक्टर अक्षय गोदारा ने ग्रामीणों के अभाव-अभियोग सुने और कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर उन्हें राहत प्रदान की। रात्रि चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को जिला कलक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया। इनमें बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करवाने, ग्रेवल सड़क बनाने, चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने, तरमीम शुद्धि तथा रास्ते से अतिक्रमण हटाने आदि समस्याएं शामिल रही। जिला कलक्टर ने प्रत्येक ग्रामीण की समस्या को धैर्यपूर्वक सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्रामीणों की वाजिब समस्याओं का यथासंभव मौके पर ही समाधान किया जाएं। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा, तालेड़ा उपखंड अधिकारी मनस्वी नरेश, तालेड़ा तहसीलदार मनीष कुमार मीणा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी गण मौजूद रहें।

एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं मृणाल और धनुष? ऐसे शुरू हुई लव स्टोरी

इन दिनों मृणाल ठाकुर और धनुष बी-टाउन का हॉट टॉपिक बने हुए हैं। वजह है दोनों के अफेयर की खबरें। पिछले कुछ वक्त से दोनों के एक-दूसरे के प्यार में होने की खबरें एंटरटेनमेंट जगत के गलियारों में छाई हुई हैं। हाल ही में 'सन ऑफ सरदार 2' की स्क्रीनिंग के सामने आए एक वीडियो ने इन दोनों के अफेयर की खबरों को और भी हवा दे दी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए में धनुष अभिनेत्री मृणाल ठाकुर का हाथ पकड़े दिख रहे हैं। जबकि वहीं मृणाल भी वीडियो में धनुष के कान में कुछ गुफ्तगू करती नजर आ रही हैं। इस दौरान दोनों सितारे एक-दूसरे के काफी क्लोज और खुश नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद नेटिजंस दोनों के अफेयर की खबरों को लेकर चर्चा करने लगे। हालांकि, अभी तक ये सिर्फ चर्चाएं ही हैं।

सूत्र ने की दोनों की डेटिंग की पुष्टि

हालांकि, इन अफवाहों के बीच अब एक सूत्र ने यह पुष्टि की है कि दोनों डेटिंग कर रहे हैं। इस सूत्र के हवाले से न्यूज 18 शोशा ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा है कि हां, यह सच है कि वे डेटिंग कर रहे हैं। लेकिन यह अभी बहुत नया है और वे अपने रिश्ते को अभी ऑफिशियल नहीं करना चाहते हैं। साथ ही दोनों बाहर घूमने-फिरने और देखे जाने से भी बेफिक्र हैं। दोनों के दोस्त इनके साथ आने से काफी पसंद हैं। क्योंकि इन दोनों के विचार, इनके एथिक्स और इनकी सोच काफी हद तक मिलती हैं।

बॉलीवुड के साथ साउथ में लगातार काम कर रही हैं मृणाल

मृणाल ठाकुर इन दिनों बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ इंडस्ट्री में भी लगातार काम कर रही हैं। 'सीता रामम' की सफलता ने मृणाल के लिए साउथ में भी दरवाजे खोल दिए हैं। मृणाल वर्तमान में अदिवी शेष के साथ 'डकैत- ए लव स्टोरी' की शूटिंग कर रही हैं। इसके लिए वो मुंबई और हैदराबाद के बीच आना-जाना करती रहती हैं और दक्षिण में एक कार्यक्रम के दौरान उनकी मुलाकात धनुष से हुई। सूत्र ने आगे बताया कि पहले उनकी दोस्ती हुई फिर बाद में वो दोस्ती प्यार में बदल गई।

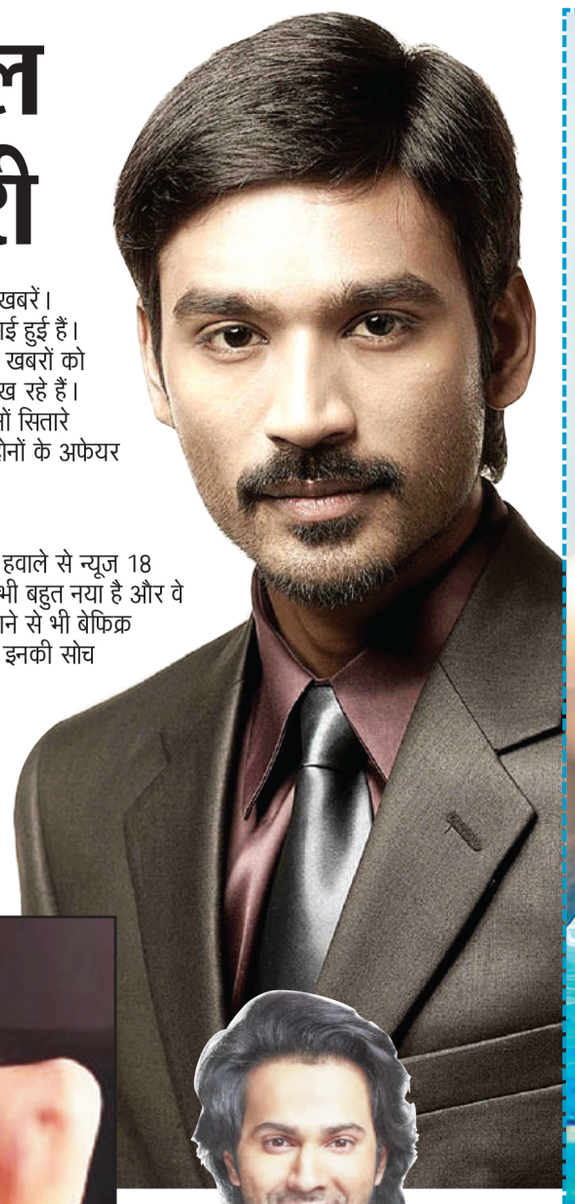

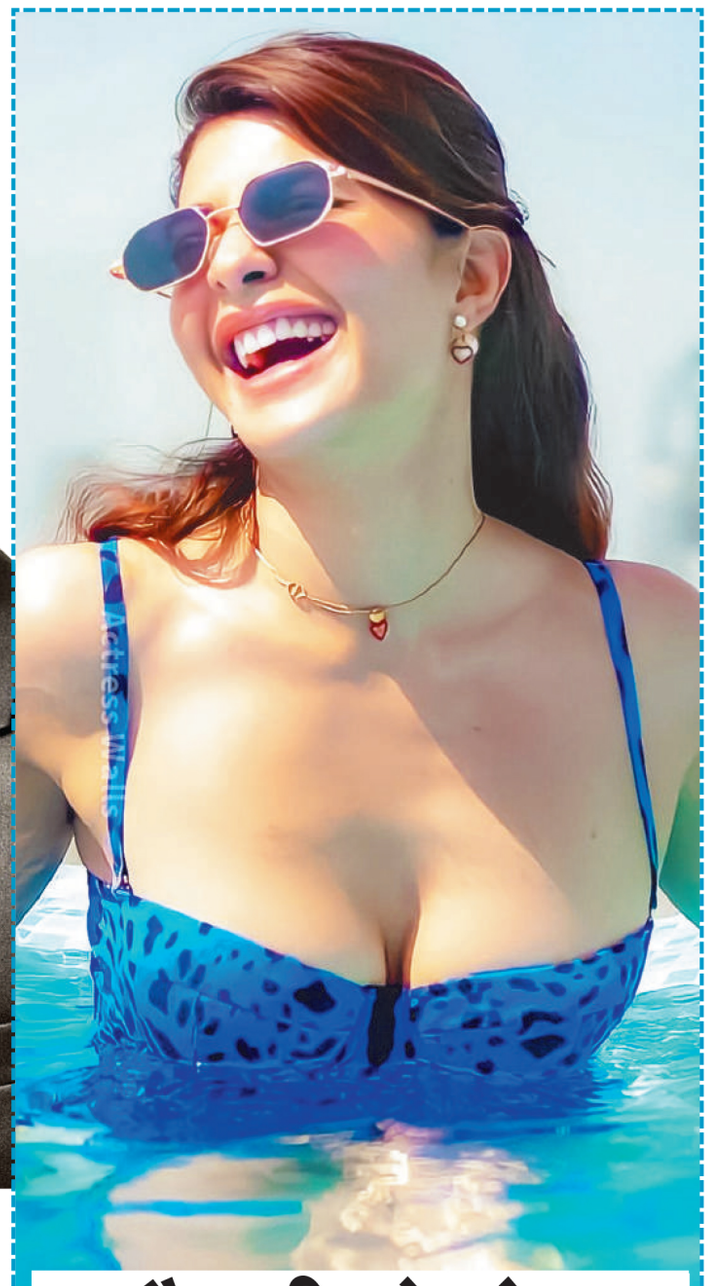

अभिनेत्री श्वेता मेनन पर लगा अश्लीलता फैलाने का आरोप, फिल्मों-विज्ञापनों को लेकर दर्ज हुआ केस

दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री श्वेता मेनन इन दिनों खूब सुर्खियों में हैं, हालांकि इसकी वजह उनकी कोई फिल्म या प्रोफेशनल प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक कानूनी विवाद है। दरअसल अभिनेत्री पर अश्लीलता फैलाने के गंभीर आरोप लगे हैं, जिनके चलते उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। क्या है पूरा मामला, चलिए आपको बताते हैं।

एक्ट्रेस पर अश्लील सीन करने के आरोप

ये मामला एर्नाकुलम सेंट्रल पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ है, जिसमें अभिनेत्री पर कुछ फिल्मों और विज्ञापनों में अश्लील और नग्न अवस्था में सीन दिखाने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता मार्टिन मेनाचेरी ने कोर्ट में याचिका दायर कर ये दावा किया कि श्वेता ने पैसा कमाने के लिए फिल्मों और विज्ञापनों में आपत्तिजनक सीन किए, जिनका प्रसार बाद में सोशल मीडिया और एडल्ट वेबसाइट्स के जरिए से किया जा रहा है।

किन फिल्मों के लिए गिरी गाज?

अभिनेत्री की फिल्मों रथिनिर्वेदम, पलेरी मणिक्यम- एक मिडनाइट मर्डर मिस्ट्री और कलीमण्णू में उनके द्वारा निभाए गए बोल्ड किरदारों को भी इस विवाद का हिस्सा बनाया गया है। इसके अलावा एक कंडोम के एक विज्ञापन में भी उनकी मौजूदगी को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए गए हैं।

शिकायत में ये आरोप भी शामिल है कि इन कंटेंट्स से युवाओं पर बुरा प्रभाव पड़ा और ये समाज में गलत संदेश फैलाते हैं। पुलिस ने इस शिकायत के आधार पर प्रोहिबिशन ऑफ ऑब्सीनिटी एक्ट और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

जैकलीन के पोल वर्कआउट मूव्स से बनाएं खुद की फिटनेस

बॉलीवुड इंडस्ट्री में फिटनेस ट्रेंड्स तेजी से बदल रहे हैं। पहले अदाकारा के लिए खूबसूरती ही सबसे महत्वपूर्ण होती थी, लेकिन अब फिटनेस भी उतनी ही जरूरी हो गई है। दीपिका पादुकोण, करीना कपूर, शिल्पा शेट्टी और मलाइका अरोड़ा रोजाना वर्कआउट और हेल्दी डाइट से अपने शरीर को फिट रखती हैं। ये सिर्फ जिम तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि योग, पिलाटेस और अब पोल वर्कआउट जैसे कई वर्कआउट्स अपनाकर अपनी फिटनेस को बनाए रखती हैं।

फिटनेस सिर्फ शरीर की खूबसूरती नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है। फिटनेस की बात हो, तो जैकलीन फर्नांडीज का नाम जरूर लिया जाता है। वह न केवल अपनी एक्टिंग बल्कि अपनी बेहतरीन फिटनेस के लिए भी जानी जाती हैं। जैकलीन की पसंदीदा एक्सरसाइज पोल वर्कआउट है। वह अक्सर इंस्टाग्राम पर पोल वर्कआउट के वीडियो पोस्ट करती रहती हैं। हाल ही में जैकलीन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोल वर्कआउट का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह पोल पर अलग-अलग मूव्स करती दिखाई दे रही थीं। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, पूरी ताकत और ट्रेनिंग। बेहद मुश्किल, लेकिन एक बार करने के बाद यह सब सार्थक हो जाता है। अब बात करें, अगर पोल वर्कआउट की, तो यह न केवल एक डांस फॉर्म है, बल्कि एक संपूर्ण बॉडी वर्कआउट भी है, जो ताकत, लचीलापन, और संतुलन को सुधारने में मदद करता है। अमेरिका नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, पोल वर्कआउट शरीर के सभी हिस्सों को मजबूत बनाने के लिए एक प्रभावी तरीका है। पोल के सहारे शरीर को कई मुद्राओं में घुमाना, संतुलन बनाए रखना और फ्लेक्सिबल मूव्स करना होता है। यह व्यायाम शरीर के कई मांसपेशियों को सक्रिय करता है, जिनमें बाजू, कंधे, पीठ, कोर और पैर शामिल हैं। पोल वर्कआउट करने के लिए सबसे पहले शारीरिक ताकत और लचीलेपन की आवश्यकता होती है, साथ ही संतुलन का अभ्यास भी जरूरी होता है। इसमें शरीर का पूरा वजन पोल पर रखा जाता है, जिससे मसल्स पर तनाव बढ़ता है और धीरे-धीरे उनकी मजबूती बढ़ती है। यह एक तरह से कैलिस्थेनिक्स का हिस्सा है। इसमें शरीर के अंगों को अलग-अलग दिशा में मोड़ना होता है, जिससे मसल्स स्ट्रेच होते हैं और लचीलापन बढ़ता है। साथ ही, यह वजन घटाने में भी मददगार साबित होता है। इस वर्कआउट के दौरान शरीर की कैलोरी बर्न होती है और फैट कम होता है। यह वर्कआउट जितना चैलेंजिंग होता है, उतना ही असरदार भी है। आजकल पोल वर्कआउट की लोकप्रियता बढ़ रही है, खासकर उन लोगों के बीच जो एक साथ ताकत, लचीलापन और कार्डियो फिटनेस चाहते हैं। यह एक एंटरटेनिंग और चैलेंजिंग तरीके से शरीर को टोन करने का बेहतरीन तरीका है।

मिर्जापुर की गोलू ने मुंबई में खरीदा करोड़ों का घर

मिर्जापुर की गोलू गुप्ता यानी श्वेता त्रिपाठी ने मुंबई में रियल एस्टेट में बड़ा निवेश किया है। श्वेता से पहले कई बॉलीवुड स्टार्स रियल एस्टेट में इन्वेस्ट कर चुके हैं। कोई घर खरीद रहा है तो कोई बेच रहा है। अब श्वेता त्रिपाठी ने एक 3क्काय अपार्टमेंट खरीदा है, जो मुंबई के चेंबूर में स्थित है। यह एरिया मुंबई के तेजी से विकसित हो रहे रेजिडेंशियल एरिया में से एक है। श्वेता त्रिपाठी के इस नए अपार्टमेंट की कीमत 3 करोड़ रुपये है। रियल एस्टेट एनालिटिक्स फर्म सीआरई मैट्रिक्स को मिले डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, यह प्रॉपर्टी सुप्रीम बुलेवार्ड बिल्डिंग की 9वीं फ्लोर पर स्थित है। इस बिल्डिंग का डेवलपर सुप्रीम यूनिवर्सल ने निर्माण किया है। इसमें 938 स्क्वायर फुट यूजेएबल एरिया है।

15 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी, 30 हजार का रजिस्ट्रेशन शुल्क

श्वेता त्रिपाठी के इस अपार्टमेंट का रजिस्ट्रेशन 22 जुलाई को किया गया। इसके लिए एक्ट्रेस ने 15 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी और 30,000 रुपये की रजिस्ट्रेशन फीस चुकाई। हालांकि, श्वेता ने स्टांप स्टाम्प ड्यूटी में महाराष्ट्र सरकार द्वारा दी जाने वाली छूट का लाभ उठाया। उन्हें दो कार पार्किंग भी मिलीं, जिनकी कीमत लगभग 32,000 रुपये प्रति स्क्वायर फुट है। श्वेता त्रिपाठी के करियर की बात करें, तो वह पहली बार फिल्म मसान से चर्चा में आई थीं, जिसमें उन्होंने विक्की कौशल की गर्लफ्रेंड का रोल प्ले किया था। उन्होंने कई विज्ञापन और साउथ की फिल्में भी कीं, पर स्टारडम वेब सीरीज मिर्जापुर से मिला। श्वेता ने और भी कई प्रोजेक्ट्स किए हैं, पर असल जिंदगी में लोग उन्हें मिर्जापुर की गोलू गुप्ता के किरदार से जानते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिर्जापुर के लिए श्वेता त्रिपाठी ने 2.20 लाख रुपये प्रति एपिसोड फीस ली थी। उनकी नेट वर्थ 8 करोड़ रुपये के आसपास बताई जाती है। श्वेता के पति चैतन्य शर्मा भी एक एक्टर और रैपर हैं। वह भी मोटी कमाई करते हैं। श्वेता त्रिपाठी का एक प्रोडक्शन हाउस भी है, जिसका नाम बंडरफुल है।

वरुण धवन ने बॉर्डर 2 का अमृतसर शेड्यूल पूरा किया

अभिनेता वरुण धवन ने अपकमिंग वॉर ड्रामा फिल्म बॉर्डर-2 की अमृतसर की शूटिंग खत्म कर ली है। बुधवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया पर अमृतसर सेट से रैप-अप पार्टी की कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। वीडियो में निर्माता भूषण कुमार, अभिनेत्री मेधा राणा और वरुण धवन नजर आ रहे हैं, वहीं अभिनेता वरुण धवन केक काटते हुए कह रहे हैं, शूटिंग खत्म हुई, भारत माता की जय। फिल्म बॉर्डर-2 में अभिनेत्री मेधा राणा वरुण संग खास रोल में नजर आएंगी। वहीं, कुछ समय पहले निर्माता भूषण कुमार ने फिल्म में अभिनेत्री के चुनाव को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, हमें फिल्म में एक ऐसी लड़की चाहिए थी जो स्वाभाविक रूप से उस क्षेत्र की भाषा, भाव और असली माहौल को फिल्म में सही तरीके से दिखा सके।

हंसिका मोटवानी का ढाई साल बाद हो रहा तलाक?

हंसिका मोटवानी ने अपनी शादी की सारी तस्वीरें और वीडियो डिलीट कर दिए है, जिसके बाद पति सोहेल कथूरिया संग उनके तलाक की चर्चाएं तेज हो गई हैं। हंसिका काफी समय से मां के साथ रह रही हैं और पति अपने पैरेंट्स संग शिफ्ट हो चुके हैं। हंसिका मोटवानी ने साल 2022 में सोहेल कथूरिया से शादी की थी, पर ऐसा लगता है कि उनका तलाक होने वाला है। उनकी शादी मुश्किल दौर से गुजर रही है। हंसिका और सोहेल कथूरिया की शादी में दरार की काफी समय से खबरें आ रही थीं, और अब एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम से अपनी शादी की सारी तस्वीरें डिलीट कर दी हैं। इससे तलाक की खबरें तेज हो रही हैं। हंसिका मोटवानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पति सोहेल कथूरिया संग शादी की सारी तस्वीरें डिलीट कर दी हैं। हालांकि, अभी इस पर कपल की तरफ से कोई रिएक्शन नहीं आया है, लेकिन एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हंसिका और सोहेल शादी के दो साल बाद से ही अलग रह रहे हैं। हंसिका अब मां के साथ रहती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम से अपनी शादी का वीडियो भी डिलीट कर दिया है। हंसिका मोटवानी इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं और तस्वीरें-वीडियो शेयर करती रहती हैं, लेकिन 18 जुलाई 2025 से उन्होंने कोई पोस्ट शेयर नहीं किया है। वह पूरी तरह इनएक्टिव हैं, जिसने तलाक की अफवाहों को और हवा दे दी है। फैंस का दावा है कि हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया के बीच कुछ ठीक नहीं है। उनकी शादीशुदा जिंदगी में दिक्कतें चल रही हैं। वहीं सोहेल कथूरिया ने इंस्टाग्राम पर अपने अकाउंट को प्राइवेट कर दिया है। वह साल 2023 से इंस्टाग्राम पर इनएक्टिव हैं।

हंसिका मोटवानी का करियर और आने वाली फिल्म

प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें, तो हंसिका मोटवानी ने अपने करियर की शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में की थी। वह ऋतिक रोशन स्टारर कोई मिल गया में नजर आई थीं। वह टीवी शो शाका लाका बूम बूम का भी हिस्सा रहीं। कई साल से वह साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। साल 2024 में हंसिका तेलुगू फिल्म में नजर आईं। अब वह नशा में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग चल रही है।

मां के साथ रह रहीं हंसिका, पैरेंट्स संग शिफ्ट हुए सोहेल कथूरिया

हाल ही खबरें आई थीं कि हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया साथ नहीं रह रहे हैं। जहां हंसिका मां के साथ रह रही हैं, वहीं पति सोहेल अपने पैरेंट्स के साथ रहने चले गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, हंसिका शादी के बाद दिसंबर 2022 से ससुरालवालों के साथ रहने लगी थीं, पर वह परिवार में एडजस्ट नहीं कर पा रही थीं। इसलिए सोहेल और हंसिका ने उसी बिल्डिंग में अलग फ्लैट ले लिया, जिसमें ससुरालवाले रह रहे थे। और अब खबर है कि हंसिका और सोहेल कथूरिया के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा है। मतभेद काफी बढ़ गए हैं। हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया की शादी खूब आलीशान तरीके से हुई थी और काफी चर्चा में रही थी। यह शादी जयपुर के एक किले में हुई थी। सोहेल कथूरिया की हंसिका मोटवानी से दूसरी शादी थी। उनकी पहली शादी रिंकी बजाज से हुई थी, जो हंसिका मोटवानी की अच्छी दोस्त हैं।

साभार एजेंसी

श्रेयस अय्यर को मिलने वाली है खुशखबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रेयस अय्यर आईपीएल के बाद से क्रिकेट के मैदान पर काफी कम दिखाई दिए हैं, अब खबरे हैं कि ये खिलाड़ी एशिया कप में नजर आएगा. रिपोर्ट्स हैं कि टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और चयनकर्ता श्रेयस अय्यर को टीम इंडिया में मौका दे सकते हैं.

रिपोर्ट्स के मुताबिक अगस्त के तीसरे या चौथे हफ्ते में एशिया कप के लिए टीम इंडिया का चयन होगा, इसके साथ-साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी टीम चुनी जाएगी और इन दोनों ही टीमों में श्रेयस अय्यर को मौका मिलने वाला है. श्रेयस अय्यर इसलिए एशिया कप और टेस्ट फॉर्मेट में वापसी के बड़े दावेदार हैं क्योंकि टीम को अनुभव की जरूरत है. अय्यर हैं तो तीस साल के लेकिन उन्होंने काफी ज्यादा क्रिकेट खेला है. उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट के प्रेशर का भी अनुभव है. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक अय्यर एशिया कप में मिडिल ऑर्डर में खेलते दिख सकते हैं. स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ उनकी अच्छी बल्लेबाजी भी उनकी वापसी का दावा ठोक रही है. यही वजह है कि भारत में वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में भी उनका सेलेक्शन तय माना जा रहा है. फिलहाल श्रेयस अय्यर का सेलेक्शन वेस्ट जोन टीम में हुआ है. वो दिलीप ट्रॉफी में 28 अगस्त से नजर आएंगे.

श्रेयस अय्यर ने रन भी खूब बनाए हैं

श्रेयस अय्यर ने अपनी बैटिंग से भी सेलेक्टर्स को उन्हें चुनने के लिए मजबूर सा कर दिया है. इस खिलाड़ी ने आईपीएल 2025 में कमाल ही कर दिखाया. टूर्नामेंट में पंजाब किंग्स की कप्तानी करते हुए उन्होंने 175 के स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए. अय्यर की बैटिंग एवरेज भी 50 से ज्यादा की रही. उनकी कप्तानी में पंजाब किंग्स आईपीएल फाइनल तक पहुंची लेकिन खिताबी जंग में उसे आरसीबी से हार का सामना करना पड़ा.

क्या भारत की टी-20 टीम में राहुल की होगी वापसी?

493 विकेट वाले पूर्व खिलाड़ी ने चयनकर्ताओं को लेकर कही बात

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम को अब टी20 क्रिकेट पर फोकस करना है। सितंबर में एशिया कप होना है। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति जल्द ही इस टूर्नामेंट के लिए टीम का ऐलान करेगी। चयनकर्ताओं के लिए टीम का चयन आसान नहीं होने वाला है। भारत की टी20 टीम की बात करें तो बीते कुछ समय में शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी भी टीम का हिस्सा नहीं रहे हैं। अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ियों ने मौके को दोनों हाथों से लपका है। एशिया कप से पहले शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर की वापसी की मांग तेज हो गई है। इस बीच भारत के पूर्व तेज गेंदबाज डोडा गणेश ने गिल और श्रेयस के अलावा केएल राहुल की टी20 टीम में वापसी की मांग कर दी है। 493 विकेट वाले कर्नाटक के पूर्व खिलाड़ी ने कहा है कि भारत की टी20 टीम चुनने में चयनकर्ताओं को सिरदर्दी होने वाली है।

3 साल से भारत की टी20 टीम से बाहर

डोडा गणेश ने एक्स पर कहा, चयनकर्ताओं को श्रेयस अय्यर, गिल और केएल राहुल को टी20 टीम में शामिल करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी। राहुल की बात करें तो वह लगभग 3 साल से भारत की टी20 टीम से बाहर हैं। वह टी20 वर्ल्ड कप 2022 के बाद से इस फॉर्मेट में भारत के लिए नहीं खेले हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में वह आखिरी बार खेले थे।

राहुल की वापसी मुश्किल

केएल राहुल के बगैर भारतीय टीम 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीत चुकी है। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और इशान किशन जैसे खिलाड़ी भी टीम से बाहर हैं। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने मौके का भरपूर फायदा उठाया है। ऐसे में राहुल की टी20 टीम वापसी काफी मुश्किल है। भारतीय टीम जिस टैम्पलेट पर टी20 क्रिकेट खेल रही है उसमें दाएं हाथ का बल्लेबाज शायद ही फिट हो।

धोनी ने सीएसके के साथ भविष्य पर दिया बयान, यह चेन्नई के लिए अच्छा है

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में महेंद्र सिंह धोनी के भविष्य को लेकर काफी चर्चा हो रही है। आईपीएल 2025 के दौरान रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद धोनी ने एक बार फिर ष्टस्च्य की कप्तानी संभाली, लेकिन पूरा सीजन धोनी के संन्यास की अफवाहों से भरा रहा। हालांकि खुद धोनी या फ्रैंचाइजी ने इस पर कुछ नहीं कहा। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान इस अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज से एक बार फिर उनके सीएसके में भविष्य के बारे में पूछा गया और उन्होंने इसका स्पष्ट जवाब दिया। धोनी ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मेरे पास फैसला करने के लिए बहुत समय है, लेकिन अगर आप पीली जर्सी में वापसी के बारे में पूछ रहे हैं, तो मैं हमेशा पीली जर्सी में ही रहूंगा, चाहे मैं खेलूं या नहीं, यह अलग बात है। मैं और ष्टस्च्य हम साथ हैं। आप जानते हैं, अगले 15-20 सालों तक भी। मुझे उम्मीद है कि उन्हें नहीं लगता कि मैं अगले 15-20 साल और खेलूंगा। धोनी 2008 में पहले आईपीएल सीजन से ही सीएसके का हिस्सा रहे हैं और उनकी कप्तानी में उन्होंने रिकॉर्ड 5 बार खिताब जीता है। धोनी ने टीम के साथ अपने रिश्ते और टीम व शहर के साथ अपने संबंधों के विकास के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में यह रिश्ता और मजबूत हुआ है। इसने मुझे एक व्यक्ति के रूप में बेहतर बनाने में मदद की। इसने मुझे एक क्रिकेटर के रूप में बेहतर बनाने में मदद की। सीएसके बस यूं ही बन गया। मुझे लगता है कि यह चेन्नई के लिए अच्छा है। इसलिए, आज यह मेरे लिए भी अच्छा है।

अंडर 22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप:

नीरज, ईशान, यात्री और प्रिया फाइनल में पहुंचे

बैंकॉक, एजेंसी। नीरज (पुरुष, 75 किलोग्राम) और ईशान कटारिया (पुरुष, 90+ किलोग्राम), यात्री पटेल (महिला, 57 किलोग्राम), प्रिया (महिला, 60 किलोग्राम) ने बुधवार को बैंकॉक में अंडर-22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में अपने-अपने भार वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। नीरज ने अपनी स्पीड और काउंटर अटैक का फायदा उठाते हुए दक्षिण कोरिया के क्योंघो बैंग को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद ईशान कटारिया भी फाइनल में पहुंचे, जहां उन्होंने अपने लंबे कद और दमदार मुक्कों के साथ चीन के चेन चेन पर दबदबा बनाया। आलम यह रहा कि चीनी मुक्केबाज को बुरी तरह पिटता देखकर रेफरी को तीसरे राउंड में मुकाबला रोकना पड़ा।

यात्री पटेल फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनीं। उन्होंने लेफ्ट-राइट पंच के कॉम्बिनेशन का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए वियतनाम की थी नुंग क्वांड को 57 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। कुछ मिनट बाद, प्रिया ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान की ओडिनाखोन इस्मोइलोवा को शिकस्त देकर महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया।

अंडर-19 और अंडर-22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन एक साथ हो रहा है। भारत ने इन दोनों आयु वर्गों में कुल 40 मुक्केबाजों को उतारा है, जिसमें घरेलू स्तर पर प्रभावित करने वाली युवा प्रतिभाओं और अनुभवी चैंपियंस का बेहतरीन संयोजन देखने को मिल रहा है। सेमीफाइनल में पहुंचे चार अन्य भारतीय मुक्केबाजों में रॉकी चौधरी दुर्भाग्यशाली रहे। उन्हें ईरान के सैम एस्ताकी के खिलाफ बाउट में दोनों भौहों पर कट लगा। इसके चलते रेफरी ने उन्हें दूसरे राउंड में मुकाबला जारी रखने की अनुमति नहीं दी। वहीं, हर्ष (60 किलोग्राम) और मयूर (90 किलोग्राम) ने अपने-अपने मुकाबलों में पूरा दमखम दिखाया, लेकिन जजों के विभाजित फैसले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। हर्ष को उज्बेकिस्तान के शोहरूह अब्दुमालिकोव से 1-4 से हार मिली, जबकि मयूर को उसी देश के शखजोद पोल्वोनोव के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

अन्य भारतीय मुक्केबाज अंकुश को कजाकिस्तान के सानझर-अली बेगालियेव के खिलाफ 0-5 से हार झेलनी पड़ी। हालांकि, यह चारों मुक्केबाज कांस्य पदक के साथ देश लौटेंगे। भावना शर्मा अपनी क्वार्टरफाइनल की फॉर्म को दोहरा नहीं सकीं। उन्हें महिलाओं के 48 किलोग्राम भारवर्ग में उज्बेकिस्तान की रोबियाखोन बख्तियोरोवा से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

लुइस सुआरेज और डी पॉल ने इंटर मियामी को लीग्स कप क्वार्टरफाइनल में पहुंचाया

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी। इंटर मियामी सीएफ ने टीम के तीसरे और अंतिम लीग कप 2025 चरण के एक मुकाबले में लीगा एमएक्स पुमास उनम पर 3-1 की जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। दिग्गज स्ट्राइकर लुइस सुआरेज की टीम की जीत में अहम भूमिका रही। सुआरेज ने एक गोल और दो असिस्ट के साथ शानदार प्रदर्शन किया। मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल ने क्लब के लिए अपना पहला गोल किया और तादेओ अलेंदे ने गोल किया। उनम की तरफ से 34वें मिनट में जॉर्ज रुवाल्काबा ने एकमात्र गोल किया।

यह मैच का पहला गोल था। इंटर मियामी की तरफ से पहला गोल 45वें मिनट में लगा। ये गोल डी पॉल ने लगाया। डी पॉल ने लुइस सुआरेज की लेफ्ट विंग से आई गेंद को सीने से रोका, फिर नीचे-दाएं कोने में एक बेहतरीन आउटसाइड-ऑफ-द-फुट फिनिश के साथ गोल किया। यह असिस्ट सुआरेज का टूर्नामेंट में पहला और 2025 में सभी प्रतियोगिताओं में कुल मिलाकर 14वां था। सुआरेज ने 59वें मिनट में पेनेंका के पेनल्टी स्पॉट पर किए गए गोल के साथ इंटर मियामी के लिए स्कोरलाइन पलट दी। इस गोल के साथ ही इस सीजन में की प्रतियोगिताओं में उनके गोलों की संख्या 10 हो गई। अलेंदे ने 69वें मिनट में इंटर मियामी के लिए तीसरा और निर्णायक गोल दागकर टीम की जीत पर मुहर लगा दी। इस गोल के लिए भी सुआरेज ने असिस्ट किया था। यह सीजन में अलेंदे का 11वां गोल था।

शुभमन गिल आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नॉमिनेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नामित किए गए हैं। इसमें जुलाई 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाले तीन खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।

नॉमिनेट किए गए खिलाड़ियों में गिल के अलावा, इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर शामिल हैं। शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 75.40 की औसत के साथ 754 रन बनाए। बर्मिंघम में खेले गए मैच में उन्होंने 269 और 161 रन की पारी खेली थी। शुभमन गिल ने इस टेस्ट सीरीज 147, 8, 269, 161, 16, 6, 12, 103, 21 और 11 रन की पारी खेली। कप्तान के रूप में अपनी पहली सीरीज खेलते हुए गिल ने स्थिरता और आक्रामक स्वभाव का मिश्रण दिखाया। फैंस उन्हें विराट कोहली का उत्तराधिकारी मान रहे हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने पांच मुकाबलों की सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म की।

वहीं, इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने चार मुकाबलों की सात पारियों में 43.43 की औसत के साथ 304 रन बनाए। इसमें शतकीय पारी भी शामिल है। इसके साथ ही स्टोक्स ने पूरी सीरीज में 17 विकेट भी हासिल किए। बेन स्टोक्स ने लगातार दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता। लॉर्ड्स में उनके ऑलराउंड प्रदर्शन ने इंग्लैंड को 22 रनों से रोमांचक जीत दिलाई। दूसरी ओर, मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में 265.5 की औसत से 531 रन बनाए। उन्होंने पहले टेस्ट की दूसरी इनिंग में 147 रनों की संयमित पारी खेली। मुल्डर ने बुलावायो में अपने करियर की सबसे बड़ी नाबाद 367 रनों की पारी खेली।

यह दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट इतिहास में किसी बल्लेबाज का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। मुल्डर ने गेंदबाजी में भी योगदान देते हुए 15.28 की औसत से सात विकेट लिए। ऑलराउंड प्रदर्शन के चलते उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला।

लगा कंधा उखड़ जाएगा...

क्रिस वोक्स ने बताई ओवल टेस्ट की पीड़ा बोले- शुभमन गिल की बात ने दिल जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के पेसर क्रिस वोक्स ने भारत के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट के आखिरी दिन के बारे में खुलकर बात की. उन्होंने कंधे की गंभीर चोट के बावजूद बल्लेबाजी की थी. द गार्जियन से बातचीत में वोक्स ने उस पल में हुई तकलीफ और भावनाओं को साझा किया. उन्होंने बताया कि भारत के कप्तान शुभमन गिल ने उनकी हिम्मत की तारीफ की थी. वोक्स ने बताया- पहला शॉट सबसे दर्दनाक था. मैंने सिर्फ कोडीन ली थी और कंधा बहुत दुख रहा था.

फिर भी जब रन लेने की कोशिश की तो आदतन दौड़ पड़ा, जबकि हाथ बंधा हुआ था. उस वक्त सच में लगा कि कहीं कंधा फिर से बाहर न निकल गया हो. इसलिए आपने मुझे हेलमेट फेंकते, दांतों से ग्लव्स उतारते और कंधा चेक करते हुए देखा होगा. आखिरी में एटकिन्सन बोल्ड हो गए और वोक्स को खेलने का मौका नहीं मिला. लेकिन फिर भी दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाईं, भारतीय टीम ने भी सम्मान दिखाया. मैच के बाद शुभमन गिल खुद वोक्स के पास आए. शुभमन गिल ने क्रिस वोक्स की बल्लेबाजी के बारे में क्या कहा? वोक्स ने कहा- शुभमन ने मुझसे कहा- ये बहुत बहादुरी भरा था. मैंने उसे जवाब दिया- तुम्हारी सीरीज शानदार रही, बहुत अच्छा खेला, और तुम्हारी टीम को भी क्रेडिट. वोक्स ने ये भी कहा कि अब भी बहुत निराश हूं कि वो फिनिश नहीं मिला जिसकी उम्मीद थी. लेकिन मैदान पर ना जाना कभी सोचा भी नहीं, चाहे जीत के लिए 100 रन भी बाकी होते. दर्शकों की तालियों ने अच्छा महसूस कराया और कुछ भारतीय खिलाड़ी भी सम्मान देने के लिए पास आए, लेकिन कोई और होता तो वो भी ऐसा ही करता. आप नौ विकेट पर मैच छोड़ नहीं सकते.

वोक्स को ओवल टेस्ट में कैसे चोट लगी थी?

क्रिस वोक्स को पहले दिन फील्डिंग करते समय कंधे में चोट लगी थी और इसके बाद उन्होंने मैच में हिस्सा नहीं लिया. लेकिन जब इंग्लैंड के नौ विकेट गिर गए और जीत के लिए 17 रन चाहिए थे, तब वोक्स पट्टी बंधे कंधे के साथ मैदान पर उतरे. ओवल के दर्शकों ने तालियों बजाकर उनका स्वागत किया. वो गस एटकिंसन का साथ देने उतरे थे.

ओलिंपिक मेडलिस्ट बॉक्सर लवलीना बोर्गी-

बीएफआई अधिकारी ने मिसबिहेव किया-जूम पर मुझसे कहा- अपना सिर नीचे करो और जैसा हम कहते हैं वैसा करो

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलिंपिक गेम्स में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाने वाली मुक्केबाज लवलीना बोरगोहन ने इंडियन बॉक्सिंग एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक रिटायर्ड कर्नल अरुण मलिक पर मिसबिहेव के आरोप लगाए हैं।

लवलीना ने अपमानजनक और लैंगिक भेदभावपूर्ण व्यवहार करने का आरोप लगाया है। 27 साल की मुक्केबाज ने 2 पेज की लिखित शिकायत की है। वहीं, कर्नल मलिक ने लवलीना के आरोपों को गलत बताया है। इंडियन ओलिंपिक संघ ने इन आरोपों की जांच शुरू कर दी है। आईओए ने तीन सदस्यीय जांच समिति बनाई है, जिसमें टॉप्स के सीईओ नछत्तर सिंह जोहल, टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल और एक महिला वकील शामिल हैं। कमेटी को 2 हफ्तों में रिपोर्ट देनी है।

चुनाव आयोग बनाम कांग्रेस: फर्जी वोटर लिस्ट विवाद में गरमाई सियासत

- राहुल से सबूत या माफी की मांग

नई दिल्ली। राजनीतिक माहौल में गरमाहट तब बढ़ गई जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हालिया बयान पर चुनाव आयोग (EC) ने आधिकारिक प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें चुनौती दी कि अगर उनके दावे सही हैं तो उस पर हस्ताक्षर कर हलफनामा दें, वरना सार्वजनिक रूप से देश से माफी मांगें। मामला मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी और फर्जी वोटर नामों को लेकर है, जिस पर राहुल गांधी ने हाल ही में आरोप लगाया था कि कई राज्यों में लाखों संदिग्ध नाम मतदाता सूची में मौजूद हैं।

राहुल गांधी का आरोप

राहुल गांधी ने कुछ दिन पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि महाराष्ट्र, कर्नाटक और कई अन्य राज्यों में लाखों फर्जी वोटर सूची में जोड़े गए हैं, जिनमें मृतक और गैर-योग्य लोगों के नाम शामिल हैं। उन्होंने स्क्रीन पर वोटर लिस्ट दिखाते हुए आरोप लगाया कि "यह चुनाव आयोग की मिलीभगत से हो रहा है और बीजेपी इसका फायदा उठा रही है।" उनके मुताबिक, यह लोकतंत्र के साथ धोखा है और अगर इसकी समय रहते जांच नहीं हुई, तो चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे।

चुनाव आयोग की सख्त प्रतिक्रिया

राहुल गांधी के आरोपों को "गंभीर और संस्थान की साख पर हमला" मानते हुए चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बयान जारी किया। आयोग ने कहा – "अगर आपके पास ठोस सबूत हैं, तो उसे शपथपत्र के रूप में हमारे पास जमा करें और उस पर हस्ताक्षर करें। अगर यह साबित हुआ कि आरोप निराधार हैं, तो आपको सार्वजनिक रूप से देश से माफी मांगनी होगी।" EC का कहना है कि मतदाता सूची पूरी पारदर्शिता के साथ तैयार की जाती है और उसमें किसी भी तरह की हेराफेरी के आरोप बेबुनियाद हैं। आयोग ने यह भी याद दिलाया कि नाम जोड़ने या हटाने की पूरी प्रक्रिया कानून के तहत होती है और राजनीतिक दलों को भी उसमें आपत्ति दर्ज कराने का अधिकार है।

प्रियंका गांधी का पलटवार

चुनाव आयोग के इस रुख पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने तुरंत पलटवार किया। उन्होंने कहा – "चुनाव आयोग को पहले इस मामले की जांच करनी चाहिए, न कि आरोप लगाने वाले से हलफनामा मांगना चाहिए। यह लोकतंत्र में संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि वो पारदर्शिता सुनिश्चित करें।" प्रियंका ने EC पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर मतदाता सूची में गड़बड़ी नहीं है, तो जांच से डरने की क्या वजह है? उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग विपक्ष की शिकायतों को गंभीरता से लेने के बजाय आरोप लगाने वालों को ही कठघरे में खड़ा कर रहा है।

राजनीतिक माहौल में गरमी

इस पूरे विवाद ने चुनावी मौसम में राजनीति का पारा और चढ़ा दिया है। बीजेपी नेताओं ने राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस को हार की आशंका के कारण पहले से बहाने बनाने की आदत है। केंद्रीय मंत्री ने बयान दिया – "जब कांग्रेस जीतती है तो चुनाव आयोग अच्छा लगता है, और जब हारती है तो उसी आयोग पर आरोप लगाने लगती है।" दूसरी तरफ कांग्रेस ने साफ कहा कि वह चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता के मुद्दे पर पीछे नहीं हटेगी और जरूरत पड़ी तो इस मामले को संसद से लेकर सड़क तक उठाएगी।

मामला कहां तक पहुंचेगा?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव आयोग और कांग्रेस के बीच यह टकराव चुनावी विमर्श को और तेज करेगा। अगर राहुल गांधी अपने दावों को सबूतों के साथ पेश करते हैं तो यह चुनाव आयोग के लिए चुनौती बन सकता है। वहीं, अगर सबूत न मिलें तो बीजेपी इस मुद्दे को कांग्रेस के खिलाफ बड़े राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करेगी। यह मामला सिर्फ एक आरोप और जवाब तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के चुनावी तंत्र की साख से भी जुड़ा है। एक ओर, चुनाव आयोग अपनी निष्पक्षता पर सवाल बर्दाश्त नहीं करना चाहता, तो दूसरी ओर, कांग्रेस इसे लोकतंत्र की पारदर्शिता का मुद्दा बता रही है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि राहुल गांधी ठोस सबूत पेश करते हैं या यह मामला सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित रह जाएगा। इस विवाद में अब दोनों पक्ष एक-दूसरे पर तीखे हमले कर रहे हैं। कांग्रेस का कहना है कि मतदाता सूची में धांधली लोकतंत्र की जड़ें कमजोर कर सकती है, जबकि चुनाव आयोग अपने ऊपर लगे आरोपों को संस्थान की प्रतिष्ठा पर हमला मान रहा है। बीजेपी इस मुद्दे को कांग्रेस की "हार का बहाना" बता रही है, तो कांग्रेस इसे चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता का सवाल मान रही है। आगामी चुनावों से पहले यह टकराव और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि दोनों ही पक्ष पीछे हटने के मूड में नहीं हैं। अब देखना यह है कि यह मामला सबूतों तक पहुंचता है या बयानबाजी तक सीमित रहता है।

बेटा खोया, घर-कारोबार तबाह, धराली की बर्बादी की कहानियां

-विक्टिम बोले – लोगों को मरते देखा, 100-150 लोगों के दबे होने की आशंका

उत्तरकाशी। उत्तराखंड का छोटा-सा पर्यटन स्थल धराली इन दिनों खौफ़ और मातम में डूबा हुआ है। बीते दिनों आई अचानक आपदा ने यहां की पूरी तस्वीर बदल दी। जो जगह कभी पर्यटकों की चहलकदमी और प्राकृतिक खूबसूरती के लिए मशहूर थी, वहां अब सिर्फ मलबा, टूटे घर और चीखें सुनाई दे रही हैं। स्थानीय लोगों के लिए यह सिर्फ एक प्राकृतिक हादसा नहीं, बल्कि जिंदगी को हमेशा के लिए बदल देने वाला दर्दनाक मोड़ बन गया है।

मौत और तबाही का मंजर

गांव के कई हिस्से मलबे के ढेर में तब्दील हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के समय इतनी तेज़ आवाज़ आई कि लोगों को समझने का मौका ही नहीं मिला। चंद सेकंड में पहाड़ का एक हिस्सा टूटकर बस्ती पर आ गिरा। कुछ लोगों ने अपनी आंखों के सामने अपने परिवार को दबते देखा। अनुमान है कि 100-150 लोग इस मलबे के नीचे दबे हो सकते हैं। बचाव दल लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहा है, लेकिन भारी मलबा और मौसम की मार रफ्तार को धीमा कर रही है।

एक मां का दर्द – "मेरा बेटा अब कभी नहीं लौटेगा"

शांति देवी, जो धराली में छोटी-सी दुकान चलाती थीं, हादसे में अपने इकलौते बेटे को खो चुकी हैं। आंखों में आंसू और आवाज़ में कंपन के साथ वे बताती हैं – "वो दुकान के पास खड़ा था, तभी जोर का धमाका हुआ। मैंने देखा कि सब कुछ धूल में बदल गया। कुछ लोग चिल्ला रहे थे, कुछ भाग रहे थे, और मेरा बेटा वहीं दब गया... अब वो कभी वापस नहीं आएगा।" शांति देवी का घर भी पूरी तरह तबाह हो चुका है, और उनके पास अब न रहने की जगह है, न कमाने का साधन।

कारोबार और रोज़ी-रोटी का नुकसान

धराली की अर्थव्यवस्था ज्यादातर पर्यटन और छोटे कारोबार पर टिकी थी। होटल, होमस्टे, दुकानें – सब या तो मलबे में समा गए हैं या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हैं। रमेश सिंह, जिनका एक गेस्ट हाउस था, कहते हैं –

"हमारा सारा धंधा खत्म हो गया। कर्ज लेकर जगह बनाई थी, लेकिन अब कुछ भी नहीं बचा। पर्यटक तो महीनों तक नहीं आएंगे, और तब तक हम क्या खाएंगे?" स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर सरकार और प्रशासन ने जल्द मदद नहीं की, तो कई परिवार भुखमरी की कगार पर पहुंच जाएंगे।

लोगों की गवाही – मौत को करीब से देखा

कई लोगों ने बताया कि उन्होंने अपने पड़ोसियों और रिश्तेदारों को अपनी आंखों के सामने दम तोड़ते देखा। सुरेश ठाकुर, जो खुद मलबे से बचकर निकले, बताते हैं – "मैंने देखा कि एक परिवार के चार लोग मदद के लिए चिल्ला रहे थे, लेकिन हम तक पहुंचने से पहले ही सब कुछ खत्म हो गया। वो आवाजें अब भी कानों में गूंज रही हैं।"

बचाव कार्य और चुनौतियां

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन लगातार राहत और बचाव में जुटे हैं। भारी मशीनरी लगाई गई है, लेकिन पहाड़ी इलाका और लगातार हो रही बारिश बचाव कार्य में बड़ी बाधा बन रही है। कई जगहों तक पहुंचना भी मुश्किल है क्योंकि सड़कें ध्वस्त हो चुकी हैं। रेस्क्यू टीमों को उम्मीद है कि मलबे में दबे कुछ लोगों को जिंदा निकाला जा सकेगा, लेकिन समय कम है और खतरा बड़ा।

सरकार की अपील और मदद

राज्य सरकार ने हादसे को 'गंभीर आपदा' घोषित करते हुए पीड़ित परिवारों के लिए आर्थिक सहायता का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रभावितों को अस्थायी शिविरों में रखा जाएगा और पुनर्वास के लिए विशेष पैकेज तैयार किया जा रहा है। सेना और आईटीबीपी भी रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद कर रही है।

धराली का भविष्य – सवालों के घेरे में

विशेषज्ञों का मानना है कि धराली जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अनियंत्रित निर्माण और पर्यटन का दबाव इस तरह की आपदाओं को और भयावह बना देता है। अब सवाल यह है कि क्या इस हादसे के बाद सरकार विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाने के लिए ठोस कदम उठाएगी? धराली की गलियों में अब सन्नाटा है, जो कभी रौनक से भरी रहती थीं। मलबे में दबे घर, टूटी सड़कों और रोते-बिलखते चेहरों के बीच एक ही सवाल गूंज रहा है – "हमारा कसूर क्या था?" यह हादसा सिर्फ एक जगह की त्रासदी नहीं, बल्कि चेतावनी है कि अगर पहाड़ों के साथ खिलवाड़ जारी रहा, तो धराली जैसी और भी कई कहानियां सुनने को मिल सकती हैं।

एक्ट्रेस हुमा कुरैशी के चचेरे भाई की हत्या: पार्किंग विवाद में धारदार हथियार से हमला

-दोनों आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में गुरूवार रात एक दर्दनाक घटना ने फिल्म जगत और आम लोगों को झकझोर कर रख दिया। मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी और अभिनेता साकिब सलीम के चचेरे भाई की हत्या कथित तौर पर पार्किंग विवाद के चलते कर दी गई। घटना में धारदार हथियार का इस्तेमाल किया गया, जिससे पीड़ित की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना कैसे हुई

पुलिस के मुताबिक, यह घटना दिल्ली के निजामुद्दीन नगर इलाके की है, जहां गुरूवार देर रात पीड़ित और आरोपी के बीच पार्किंग को लेकर कहासुनी हो गई। पीड़ित ने अपनी गाड़ी एक खाली जगह पर खड़ी की थी, जिस पर आरोपी ने आपत्ति जताई। पहले बहस हुई, फिर मामला मारपीट तक पहुंच गया। गवाहों के अनुसार, आरोपियों ने गुस्से में आकर पास में रखा धारदार हथियार उठाया और पीड़ित पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमला इतना गंभीर था कि पीड़ित ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

पीड़ित की पहचान और पारिवारिक पृष्ठभूमि

मृतक की पहचान सलीम कुरैशी (उम्र 35 वर्ष) के रूप में हुई है, जो मशहूर एक्ट्रेस हुमा कुरैशी और अभिनेता साकिब सलीम के चचेरे भाई थे। सलीम का परिवार लंबे समय से इस इलाके में रहता था और स्थानीय स्तर पर उनकी पहचान एक मिलनसार व्यक्ति के रूप में थी।

पुलिस की कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल सलीम को नज़दीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इलाके में लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ-साथ चश्मदीदों के बयान लिए। थोड़े ही समय में आरोपियों की पहचान कर उन्हें उनके ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके पास से हत्या में इस्तेमाल धारदार हथियार भी बरामद किया है।

पार्किंग विवाद के बढ़ते मामले

राजधानी दिल्ली में पार्किंग विवाद से जुड़े झगड़े और हिंसा के मामले हाल के वर्षों में तेजी से बढ़े हैं। जगह की कमी, अनियोजित बस्तियां और बढ़ती आबादी के कारण आए दिन छोटे-छोटे विवाद खून-खराबे का रूप ले लेते हैं। पुलिस और सामाजिक विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे विवादों को टालने के लिए समुदाय स्तर पर जागरूकता और पार्किंग प्रबंधन की ठोस व्यवस्था जरूरी है।

परिवार और फिल्म इंडस्ट्री में शोक

सलीम की मौत की खबर फैलते ही न सिर्फ उनका परिवार बल्कि पूरी फिल्म इंडस्ट्री शोक में डूब गई। हुमा कुरैशी और साकिब सलीम ने फिलहाल इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन करीबी सूत्रों के मुताबिक परिवार पूरी तरह सदमे में है।

आगे की कानूनी प्रक्रिया

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या और हथियार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। उन्हें अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा ताकि घटना की पूरी सच्चाई और संभावित अन्य कारणों का पता लगाया जा सके। यह घटना एक बार फिर यह सवाल खड़ा करती है कि हमारी शहरी जिंदगी में छोटी-छोटी बहसें क्यों इतनी आसानी से हिंसा में बदल जाती हैं। पार्किंग जैसे मामूली मुद्दे पर किसी की जान ले लेना न सिर्फ कानून के खिलाफ है बल्कि यह समाज के भीतर पनप रहे गुस्से और असहनशीलता की भी तस्वीर पेश करता है।

ट्रम्प का भारत से ट्रेड डील पर इनकार: बोले- पहले टैरिफ मसला सुलझे, तब होगी बात

-भारत पर कुल 50% टैरिफ

वॉशिंगटन डीसी,(एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति और वर्तमान रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर भारत को लेकर सख्त रुख अपनाया है। ताज़ा बयान में ट्रम्प ने साफ़ कर दिया है कि जब तक टैरिफ से जुड़ा विवाद हल नहीं होता, तब तक वह भारत के साथ किसी भी नए ट्रेड डील पर बातचीत नहीं करेंगे। ट्रम्प ने यह भी दोहराया कि भारत से आने वाले कई उत्पादों पर अमेरिका ने कुल मिलाकर लगभग 50% तक का टैरिफ लगाया है और वह इसे कम करने के मूड में नहीं हैं, बल्कि चाहते हैं कि भारत भी अमेरिकी सामान पर लगने वाले ऊंचे शुल्क को घटाए।

टैरिफ विवाद की पृष्ठभूमि

भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ विवाद कोई नया मुद्दा नहीं है। ट्रम्प के पहले कार्यकाल (2017-2021) के दौरान भी उन्होंने बार-बार कहा था कि भारत "टैरिफ किंग" है, क्योंकि यहां आयातित अमेरिकी सामान पर ऊंचा शुल्क लगाया जाता है। 2019 में अमेरिका ने भारत को "जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज" (GSP) प्रोग्राम से बाहर कर दिया था, जिससे भारत को कई उत्पादों पर शुल्क-मुक्त निर्यात का लाभ मिलता था। इसके बाद दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव और बढ़ गया। ट्रम्प का मानना है कि भारत अमेरिकी बाजार से बड़े पैमाने पर लाभ ले रहा है, लेकिन अमेरिकी कंपनियों को भारत में उतना खुला और सस्ता एक्सेस नहीं मिलता। वहीं भारत का तर्क है कि उसकी टैरिफ नीतियां अपने घरेलू उद्योगों, किसानों और छोटे व्यवसायों को सुरक्षा देने के लिए हैं।

ट्रम्प का ताज़ा बयान

एक टीवी इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा, "भारत के साथ ट्रेड डील तभी होगी जब वे हमारे सामान पर लगाए गए ऊंचे टैरिफ को कम करेंगे। हम अपने किसानों और उद्योगों को नुकसान नहीं पहुंचा सकते। पहले टैरिफ मसला सुलझना चाहिए, फिर बाकी व्यापारिक समझौतों पर बात हो सकती है।" ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका के पास एक मजबूत बाजार है और अगर कोई देश अमेरिकी उत्पादों के लिए बाधाएं खड़ी करता है, तो उसे भी उसी तरह का जवाब मिलेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर भारत ने अमेरिकी कंपनियों को ज्यादा खुला एक्सेस नहीं दिया, तो टैरिफ और बढ़ाए जा सकते हैं।

भारत पर टैरिफ का असर

अमेरिका द्वारा लगाए गए 50% तक के टैरिफ का असर भारत के कई निर्यात उत्पादों पर पड़ रहा है, जिनमें स्टील, एल्यूमिनियम, कपड़े, चमड़े के सामान और कृषि उत्पाद शामिल हैं। इससे न केवल भारतीय निर्यातकों की अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा कम हो रही है, बल्कि अमेरिका में भारतीय सामान महंगे हो जाने से वहां की मांग भी घट रही है। कई भारतीय उद्योग संगठनों का कहना है कि ट्रम्प की टैरिफ नीति से भारतीय निर्यातकों को करोड़ों डॉलर का नुकसान हो सकता है। वहीं, अमेरिका में भारतीय आईटी सेवाओं और दवाओं की मजबूत स्थिति होने के कारण दोनों देशों के बीच आपसी निर्भरता अभी भी बनी हुई है।

भारत की प्रतिक्रिया

भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, भारत अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखने के पक्ष में है, लेकिन टैरिफ मसले पर कोई भी रियायत "आपसी संतुलन" को ध्यान में रखकर ही दी जाएगी। भारत का मानना है कि केवल एकतरफा रियायत से समस्या का हल नहीं निकलेगा, बल्कि दोनों पक्षों को एक-दूसरे के बाजार में समान अवसर देने होंगे। भारत ने पहले भी अमेरिकी टैरिफ का जवाब देते हुए अमेरिका से आने वाले कुछ उत्पादों पर प्रतिशोधी शुल्क लगाए थे। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर टैरिफ युद्ध लंबा चला, तो इससे दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

आगे का रास्ता

ट्रम्प के रुख को देखते हुए, निकट भविष्य में भारत-अमेरिका के बीच व्यापक ट्रेड डील की संभावना कम लग रही है। अगर अमेरिका में ट्रम्प दोबारा सत्ता में आते हैं, तो भारत के लिए यह चुनौती और बढ़ सकती है कि वह अमेरिकी बाजार में अपनी हिस्सेदारी कैसे बनाए रखे। आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत को इस स्थिति से निपटने के लिए दो स्तरों पर काम करना होगा – आंतरिक सुधार – अपने उद्योगों को प्रतिस्पर्धी बनाना और उत्पादन लागत कम करना।

ब्राज़ील के राष्ट्रपति का कूटनीतिक संदेश: ट्रम्प से नहीं, मोदी से बात

-नेतन्याहू ने भी टैरिफ विवाद में भारत का समर्थन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में इन दिनों भारत की भूमिका तेजी से मज़बूत होती नज़र आ रही है। ताज़ा घटनाक्रम में ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुईज़ इनासियो लूला दा सिल्वा ने एक अहम संदेश देते हुए कहा कि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से बातचीत करने की बजाय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संवाद करना पसंद करेंगे। यह बयान न केवल भारत की बढ़ती वैश्विक साख को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि उभरते हुए देशों के बीच आपसी भरोसा और सहयोग किस दिशा में बढ़ रहा है।

बातचीत का मुद्दा और पृष्ठभूमि

जानकारी के मुताबिक, यह बातचीत वैश्विक व्यापार, टैरिफ विवाद और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग के मुद्दों पर केंद्रित रही। पिछले कुछ महीनों से अमेरिका की टैरिफ नीति ने दुनिया भर के देशों में असंतोष पैदा किया है। खासकर कृषि, इस्पात, टेक्सटाइल और ऑटोमोबाइल सेक्टर में अमेरिका द्वारा लगाए गए ऊंचे आयात शुल्क ने अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक समीकरणों को चुनौती दी है।

ब्राज़ील, जो कृषि और खनिज निर्यात में दुनिया का एक बड़ा खिलाड़ी है, इस टैरिफ युद्ध से प्रभावित हुआ है। ऐसे में राष्ट्रपति लूला का भारत के साथ तालमेल बढ़ाने का फैसला, विकासशील देशों के बीच एकजुटता का संकेत देता है।

"ट्रम्प से नहीं, मोदी से बात करूंगा" – इसका महत्व

राष्ट्रपति लूला का यह बयान कूटनीतिक दृष्टि से बेहद अहम है। दरअसल, ट्रम्प के टैरिफ रवैये से अमेरिका और लैटिन अमेरिकी देशों के बीच तनाव बढ़ा है। ऐसे माहौल में ब्राज़ील का भारत की ओर झुकाव दर्शाता है कि दक्षिण-दक्षिण सहयोग (South-South Cooperation) को लेकर विकासशील देशों में भरोसा बढ़ रहा है।

भारत, जो विश्व व्यापार संगठन (WTO) में लंबे समय से निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यापार के लिए आवाज़ उठाता रहा है, ब्राज़ील के लिए स्वाभाविक साझेदार के रूप में उभर रहा है। लूला का यह रुख बताता है कि वे किसी टकरावपूर्ण बातचीत के बजाय एक सहयोगी और संतुलित संवाद को प्राथमिकता देते हैं, जो उन्हें मोदी के नेतृत्व में दिखता है।

नेतन्याहू का भारत के पक्ष में आना इस घटनाक्रम में एक और दिलचस्प पहलू यह है कि इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी टैरिफ मुद्दे पर भारत का समर्थन किया है। नेतन्याहू ने साफ कहा कि मौजूदा वैश्विक आर्थिक परिस्थिति में एकतरफा टैरिफ बढ़ोतरी व्यापार संतुलन के लिए हानिकारक है और भारत जैसे देशों के साथ सहयोग को और मज़बूत करने की ज़रूरत है। भारत और इज़राइल के बीच रक्षा, तकनीक, कृषि और जल प्रबंधन जैसे कई क्षेत्रों में साझेदारी पहले से ही मज़बूत है। ऐसे में टैरिफ मुद्दे पर नेतन्याहू का खुलकर भारत का साथ देना, भारत की वैश्विक रणनीतिक स्थिति को और मजबूत करता है।

भारत की भूमिका और लाभ

यह पूरा मामला भारत के लिए कई मायनों में फायदेमंद है – वैश्विक मंच पर नेतृत्व की छवि – ब्राज़ील और इज़राइल जैसे देशों का समर्थन भारत की कूटनीतिक स्थिति को ऊंचा करता है। व्यापारिक अवसर – टैरिफ विवाद में अमेरिका से नाराज़ देशों के लिए भारत एक वैकल्पिक बाजार और साझेदार बन सकता है। दक्षिण-दक्षिण सहयोग – विकासशील देशों के बीच आपसी सहयोग से WTO जैसे मंचों पर साझा रणनीति बनाई जा सकती है।

आने वाले समय की चुनौतियां

हालांकि, इन सकारात्मक संकेतों के बीच चुनौतियां भी मौजूद हैं। अमेरिका के साथ भारत के अपने व्यापारिक संबंध भी गहरे हैं, और भारत को सावधानीपूर्वक संतुलन बनाना होगा ताकि वह किसी भी पक्ष से रिश्ते खराब न करे।

इसके अलावा, टैरिफ विवाद केवल आर्थिक नहीं बल्कि राजनीतिक रंग भी ले चुका है। ऐसे में भारत को अपनी विदेश नीति को "मित्रता और संतुलन" के सिद्धांत पर आगे बढ़ाना होगा। ब्राज़ील के राष्ट्रपति का ट्रम्प के बजाय मोदी से बातचीत करने का फैसला और इज़राइल के प्रधानमंत्री का भारत के समर्थन में खुला बयान, यह दर्शाता है कि आज भारत वैश्विक कूटनीति के केंद्र में है।

गाजा सिटी पर कब्जा करेगा इज़राइल: 75% गाजा पट्टी पर नियंत्रण

-जंग खत्म करने के लिए 5 शर्तें पेश

तेल अवीव (एजेंसी)। इज़राइल और हमास के बीच जारी संघर्ष अब निर्णायक मोड़ की ओर बढ़ता दिख रहा है। इजराइली सेना ने दावा किया है कि वह जल्द ही गाजा सिटी पर पूरा कब्जा कर लेगी। वर्तमान में लगभग 75% गाजा पट्टी पर इजराइली सेना का नियंत्रण हो चुका है। इस सैन्य अभियान को इज़राइल अपने "अंतिम चरण" में मान रहा है, जबकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय लगातार युद्धविराम की अपील कर रहा है।

गाजा सिटी की रणनीतिक अहमियत

गाजा सिटी, गाजा पट्टी का सबसे बड़ा और आबादी वाला शहर है। यह न केवल हमास का राजनीतिक और प्रशासनिक केंद्र माना जाता है, बल्कि यहां से कई सुरंगें और हथियारों का जखीरा भी संचालित होता है। इजराइल का मानना है कि गाजा सिटी पर नियंत्रण का मतलब हमास की सैन्य और संगठनात्मक शक्ति को लगभग खत्म कर देना होगा। इजराइली सेना ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में उन्होंने कई महत्वपूर्ण ठिकानों को ध्वस्त किया है और सैकड़ों हमास लड़ाकों को मार गिराया है। साथ ही, गाजा सिटी के बाहरी इलाकों में घेराबंदी बढ़ा दी गई है ताकि हमास को बाहरी मदद न मिल सके।

इजराइल की जंग खत्म करने की 5 शर्तें

इजराइल ने साफ किया है कि युद्धविराम तभी संभव होगा जब उसकी पांच प्रमुख शर्तें पूरी हों—

1. हमास की सैन्य शक्ति का पूर्ण अंत – सभी हथियार, रॉकेट और गोला-बारूद नष्ट किए जाएं।
2. बंधकों की सुरक्षित रिहाई – हमास के कब्जे में मौजूद सभी इजराइली नागरिक और सैनिक बिना शर्त छोड़े जाएं।
3. सुरंग नेटवर्क का विनाश – गाजा में फैले भूमिगत सुरंगों को पूरी तरह नष्ट किया जाए, ताकि भविष्य में हथियारों की तस्करी न हो।
4. हमास नेतृत्व का सफाया – शीर्ष कमांडरों और राजनीतिक नेताओं को गिरफ्तार या मार गिराया जाए।
5. गाजा में सुरक्षा नियंत्रण – युद्ध के बाद गाजा में ऐसा सुरक्षा ढांचा बने जो इजराइल के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई को रोक सके।

मानवीय संकट गहराता हुआ

संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने चेतावनी दी है कि गाजा पट्टी में मानवीय संकट भयावह रूप ले चुका है। हजारों लोग मारे जा चुके हैं और लाखों बेघर हो गए हैं। अस्पताल दवाओं और ईंधन की कमी से जूझ रहे हैं। गाजा सिटी की घेराबंदी ने वहां भोजन और पानी की सप्लाई लगभग बंद कर दी है। हालांकि, इजराइल का कहना है कि उसने नागरिकों को युद्ध क्षेत्र से सुरक्षित इलाकों में जाने के लिए "मानवीय कॉरिडोर" खोले हैं, लेकिन हमास पर आरोप है कि वह लोगों को जाने से रोक रहा है ताकि उन्हें "मानवीय ढाल" की तरह इस्तेमाल कर सके। अंतरराष्ट्रीय दबाव और कूटनीति अमेरिका, मिस्र और कतर जैसे देशों ने इजराइल और हमास के बीच मध्यस्थता की कोशिशें तेज कर दी हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,